कोटद्वार, शनिवार
28 जून 2025
वर्ष: 47
अंक: 62 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

हाईकोर्ट की रोक हटते ही पंचायती चुनाव के दावेदारों में खुशी

उत्तरकाशी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव पर हाई कोर्ट से लगी रोक हटने की सूचनाओं से पंचायत चुनाव में दावेदारी कर रहे प्रत्याशियों तथा गांवों में आपसी सहमति से निर्विरोध चुने गए प्रत्याशियों के चेहरे खिल उठे हैं। जो लोग गांवों में आपसी सहमति के प्रधान व छेत्र पंचायत प्रतिनिधि के रूप में निर्विरोध प्रक्रिया में लगभग तय हो गए थे उनमें अधिक मायूसी दिखने को मिल रही थी। लेकिन जैसे ही सोशल मीडिया के माध्यम से हाईकोर्ट से लगी स्थगन के हटने की खबरें आने लगी उम्मीदवारों में खासा उत्साह व चुनाव में प्रतिभाग करने की खुशी दिखने लगी है। पुरोला विकासखण्ड के 45 ग्राम पंचायतों में प्रधान पद सहित 22 क्षेत्र पंचायतों व नवनिर्मित मठ वार्ड सहित रामा तथा हुडोली सहित तीन जिला पंचायत में प्रतिनिधियों का चुनाव होना है जिसमे ग्राम पंचायत लमकोटी, कुमोला,नेत्री, नौरी,मठ आदि गांवों में निर्विरोध प्रत्यासी चयन होने की भी पिछले पांच दिनों से खूब चर्चाएं हो रही थी, लेकिन अब चुनाव की नई समय सारिणी आने पर यह निर्विरोध प्रक्रियाएं यथावत रहती है या नहीं यह नामांकन होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

वंही पंचायत चुनावों में भाग्य आजमा रहे क्षेत्र के गम्भीर चौहान, राम प्रकाश रतूड़ी, कुलवंती डोटीयाल,नितिन रावत, यशवंत पंवार,धर्मेंद्र नेगी, दिनेश चौहान आदि लोगों ने चुनाव प्रक्रिया पर कोर्ट से लगी रोक हटने पर खुशी का इजहार किया।

राज्य सरकार बेईमानी से चुनाव जीतने का प्रयास कर रही: रावत

काशीपुर। काशीपुर के एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पंचायत चुनाव पर पर लगी रोक हटने के बाद कहा कांग्रेस पंचायत चुनाव को लेकर पूरी तरह से तैयार है। कहा कि पंचायत चुनाव को लेकर सरकार के द्वारा जारी आरक्षण सूची से छेड़छाड़ की गई थी, जो गंभीर मामला था। सरकार का मकसद पंचायत चुनाव नहीं करवाना था। सरकार ने सभी पदों का रोस्टर तैयार किया, लेकिन जिला पंचायत का रोस्टर तैयार नहीं किया। इससे सरकार की बदनीयती साफ दिखती है। इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार बेईमान है और बेईमानी से चुनाव जीतने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस कभी भी प्रशासक नियुक्त करने के पक्ष में नहीं रही। इसीलिए कांग्रेस हमेशा सही समय पर चुनाव कराने की बात करती आई है। लेकिन भाजपा हमेशा से ही प्रशासक नियुक्त करने के पक्ष में रही है। शुक्रवार को बाजपुर रोड स्थित एक प्रतिष्ठान पर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने एनएच 74 घोटाले को बहुत ही गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का स्टैंड साफ है कांग्रेस पहले से ही एनएच–74 घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की मांग करती आई है। घोटाले की जांच सीबीआई से ही होनी चाहिए थी। यहां विमल गुड़िया, महेंन्द्र लोहिया, सुरेश शर्मा जंगी, ब्रह्मा पाल, जयसिंह गौतम, अलका पाल, संजय चतुर्वेदी, ब्रज शर्मा, गुरदयाल सिंह, इंदर सेठी, जितेंद्र सरस्वती, विनोद शर्मा होण्डा, त्रिलोक सिंह अधिकारी, तरुण लोहनी, इंदर सिंह एडवोकेट, प्रदीप जोशी, निशित गुड़िया, इरशाद चौधरी, इरफान गुड्डू, सुभाष पाल, विजयपाल, शिवम उपाध्याय, घनानंद शर्मा , अमित रावत, ललित रावत, महेन्द्र बेदी, नौशे अली व चंद्रभान शाह आदि दर्जनों कांग्रेसी उपस्थित थे।

हाइवे पर कार में लगी आग, फायर टीम ने काबू किया

हरिद्वार। हरिद्वार–नजीबाबाद हाईवे पर शुक्रवार सुबह डिवाइडर से टकराने के बाद कार पलट गई। इसके बाद कार में आग लग गई। फायर टीम ने आग को काबू किया। एसएफओ बीरबल सिंह ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे फायर स्टेशन पर कार आग लगने की सूचना मिली थी। फायर यूनिट ने मौके पर पहुंच कर आग को काबू किया। बताया कि वैगनआर कार हाईवे पर डिवाइडर से टकरा कर पलट गई थी। कार में एक महिला, तीन बच्चों समेत छह लोग सवार थे। इनमें एक व्यक्ति को चोट लगने पर एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। बाकी अन्य लोग सभी सुरक्षित थे।

महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं, जगन्नाथ हैं, तो जीवन है : पीएम मोदी

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू होने पर बधाई दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की मंगलकामना की। पीएम मोदी ने कहा, भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। श्रद्धा और भक्ति का यह पावन उत्सव हर किसी के जीवन में सुख, समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, यही कामना है। जय जगन्नाथ! प्रधानमंत्री ने बधाई संदेश के अलावा अपने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें वो भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के बारे में बता रहे हैं। वीडियो संदेश में कहा गया, महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं। जगन्नाथ हैं, तो जीवन है। भगवान जगन्नाथ जनता जनार्दन को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण के लिए जा रहे हैं।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री आगे वीडियो में रथयात्रा की खूबियों के बारे में भी बताते हैं। कहते हैं कि रथयात्रा की पूरी दुनिया में एक विशिष्ट पहचान है। देश के अलग–अलग राज्यों में बहुत–बहुत धूमधाम से रथयात्रा निकाली जा रही है। ओडिशा के पुरी में निकाली जा रही रथयात्रा अपने आप में अद्भुत है।

प्रधानमंत्री वीडियो में कहते हैं कि इन रथ यात्राओं में जिस तरह से हर वर्ग, हर समाज के लोग उमड़ते हैं, वो अपने आप में बहुत अनुकरणीय है। यह आस्था के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत का भी प्रतिबिंब है। इस पावन अवसर पर आप सभी को बहुत–बहुत बधाई।

राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री से की मुलाकात, कहा– दोनों पक्षों को सकारात्मक गति बनाए रखनी चाहिए

किंगदाओ ,शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट के दौरान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री डॉन की मुलाकात हुई। राजनाथ सिंह ने खुद इसकी जानकारी दी। बैठक के बारे में जानकारी साझा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान–प्रदान किया। रक्षा मंत्री ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने पर खुशी जताई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सञ्ज पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ बातचीत की। हमने द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान–प्रदान किया। लगभग 6 साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। दोनों पक्षों के लिए ये जरूरी है कि वो इस सकारात्मक गति को बनाए रखें और द्विपक्षीय संबंधों में नई जटिलताओं को जोड़ने से बचें। राजनाथ सिंह एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए गुरुवार को चीन पहुंचे। उनके आगमन पर एडमिरल डॉन जून ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सिंह, डॉन जून और अन्य नेताओं ने रक्षा मंत्रियों की बैठक से पहले एक ग्रुप फोटो करवाया। एससीओ सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले का जिक्र किया, जिसमें एक नेपाली नागरिक सहित 26 नागरिक मारे गए थे।

जमरानी बांध बहुद्देशीय परियोजना और सौंग बांध पेयजल परियोजना के कार्यों में और तेजी लाई जाए : सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि जमरानी बांध बहुद्देशीय परियोजना और सौंग बांध पेयजल परियोजना के कार्यों में और तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के तहत होने वाले कार्यों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए। जमरानी बांध परियोजना के कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य जून 2029 तक रखा गया है, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इसे दिसम्बर 2028 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। सौंग बांध परियोजना को भी निर्धारित अवधि मार्च 2030 से पहले पूर्ण करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजनाः लगभग रू. 3808 करोड़ लागत की इस योजना के तहत 150.6 मी. उंचे बांध का निर्माण, 42.92 किमी लम्बी नहर का पुनर्निर्माण एवं 21.25 किमी लंबी नई नहर का निर्माण कार्य किया जाना है। इस परियोजना के तहत हल्द्वानी शहर एवं उसके समीपवर्ती क्षेत्रों की भविष्य की लगभग 10.50 लाख आबादी के लिए 117 एम.एल.डी. पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। इस परियोजना में बनने वाली 09 किमी. लम्बी झील से एक नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित होगा तथा लगभग 57 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन होगा।

सौंग बांध पेयजल परियोजनाः ब लगभग रू. 2492 करोड़ लागत की इस योजना के तहत 130.60 मी. उंचे बांध का निर्माण एवं 1.5 मी. व्यास की 14.70 किमी. लम्बी जल वहन प्रणाली का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा 85 किमी. जल वितरण प्रणाली एवं 150 एम.एल.डी. जल शोधन संयंत्र का निर्माण भी इस परियोजना के तहत किया जाना है। इससे भविष्य में देहरादून शहर एवं उपनगरीय क्षेत्रों की वर्ष 2053 तक अनुमानित लगभग 10.65 लाख की जनसंख्या के लिए 150 एम.एल.डी. ग्रेविटी से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी। इस बांध निर्माण से बनने वाली 3.5 किमी. लम्बी झील को एक नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जायेगा। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, सचिव एस.एन.पाण्डेय, युगल किशोर पंत, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमन एवं अपर सचिव बंशीधर तिवारी मौजूद थे।

देहरादून–दिल्ली हाईवे पर पलटा कंटेनर, लगा छह किमी लंबा जाम, फंसे सैकड़ों वाहन

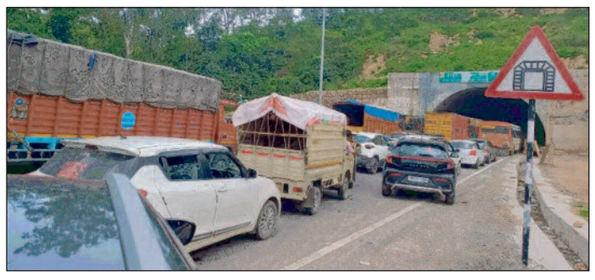

देहरादून। आशारोड़ी से मोहंड के बीच जाम की समस्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। एक बार फिर मोहंड के निकट कंटेनर बीच सड़क पर फंसने के कारण उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश सीमा पर करीब पांच किलोमीटर जाम लग गया।

जाम की सूचना पर यातायात के सीओ जगदीश चंद व क्लेमेनटाउन के थानाध्यक्ष मोहन सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे, वहीं यूपी पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर मुख्य मार्ग पर फंसे कंटेनर को हटवाया। करीब दो घंटे बाद जाम खुल पाया। गुरुवार सुबह एक कंटनेर सहारनपुर से देहरादून की तरफ आ रहा था। कंटेनर में कारें थी। मोहंड के निकट कंटेनर मोड काटते हुए फंस गया। कंटेनर मुख्य मार्ग के बीचों ऐसे फंसा कि वह आगे–पीछे नहीं हो पाया। ऐसे में दोनों तरफ से जाम लगना शुरू हो गया। सूचना पर देहरादून से पुलिस की टीमें निकली, लेकिन जाम इतना अधिक था कि पुलिस के वाहन भी डाटकाली मंदिर के निकट फंस गए। दून पुलिस ने यूपी पुलिस से संपर्क कर स्थिति का जायजा लिया। वहीं, आशारोड़ी से वाहनों को एक्सप्रेस–वे से निकाला। देखते ही देखते दोनों तरफ से लंबा जाम लग गया। देहरादून की तरफ आशारोड़ी के निकट से डाट काली मंदिर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने कंटेनर को निकलवाया, जिसके बाद वाहनों की आवाजाही शुरू हुई। जाम इतना लंबा था कि वाहनों के निकलने में एक घंटा लग गया। वाहन चालक दो से तीन घंटे में अपने गंतव्य तक पहुंचे। जाम खुलने के बाद किसी तरह पुलिस ने भी राहत की सांस ली।

आशारोड़ी से मोहंड के बीच लगातार लग रहा है जाम

चारधाम व पर्यटन सीजन के चलते बड़ी संख्या में बाहरी राज्यों के लोग उत्तराखंड आ रहे हैं। मार्ग पर वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी के कारण भी जाम लग रहा है। वहीं मार्ग पर हर दिन कोई न कोई घटना हो रही है, जोकि जाम का कारण बन रही है। एक सप्ताह में आशारोड़ी से मोहंड के बीच भारी वाहनों के खराब होने, वाहन को आग लगने और हादसे की तीन घटनाएं हो चुकी हैं।

ट्रक खाई में गिरा, एक की मौत, दो घायल

विकासनगर। गुरुवार देर रात दिल्ली से नेरवा की तरफ जा रहा ट्रक कोटी से पहले कोलिया खड्ड के पास स्टेरिंग फेल होने से अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में ट्रक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को विकासनगर उप जिला चिकित्साल में भर्ती कराया गया है। शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। मृतक और दोनों घायल हिमाचल प्रदेश के नेरवा के निवासी हैं। वह दिल्ली से टमाटर बेचकर वापस नेरवा जा रहे थे। कालसी थाना प्रभारी दीपक धारीवाल ने बताया कि गुरुवार रात करीब साढ़े दस बजे स्थानीय निवासियों ने सूचना दी कि कोटी से पहले कोलिया खड्ड में एक ट्रक खाई में गिर गया है। जिसमें तीन लोग सवार थे। बताया कि सूचना पर तत्काल थाना कालसी पुलिस मौके पर पहुंची व एसडीआरएफ को भी सूचना दी। जिसके बाद स्थानीय निवासियों की मदद से घायलों और मृतक को बाहर निकाला गया। घायलों और मृतक को प्राईवेट वाहन से विकासनगर चिकित्सालय भेजा गया। मृतक की पहचान इसराइल (28 वर्ष) पुत्र मसर निवासी ग्राम जलाला नेरवा हिमाचल प्रदेश व घायलों की पहचान असलम पुत्र नूर अहमद व गुलाम पुत्र मूर्तजा निवासी नेरवा हिमाचल प्रदेश के रूप में हुई है।

सीएम के काफिले की 19 गाड़ियों में डीजल की जगह भर दिया पानी

प्रशासन में हड़कंप; पेट्रोल पंप सील

भोपाल ,मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में 'एमपी राइज 2025ञ् रीजनल कॉन्क्लेव में शामिल होने आ रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के काफिले की गाड़ियों में डीजल की जगह पानी भरे जाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यह घटना गुरुवार देर रात ढोसी गांव स्थित भारत पेट्रोलियम के 'शक्ति फ्यूल्सञ्ज पेट्रोल पंप पर घटी। इंदौर से सीएम काफिले के लिए बुलाई गईं करीब 19 इनोवा गाड़ियां जब डीजल भरवाने के लिए इस पेट्रोल पंप पर पहुंचीं, तो वहां से ईंधन भरने के कुछ ही देर बाद वे एक–एक कर बंद हो गईं। वाहन चालकों ने तत्काल पेट्रोल पंप पर शिकायत की और प्रशासन को सूचित किया।

सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार आशीष उपाध्याय, खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी आनंद गोरे और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान सभी वाहनों के डीजल टैंक खाली करवाए गए, जिनमें से बड़े पैमाने पर पानी निकला। एक वाहन में जहां 20 लीटर डीजल डलवाया गया था, उसमें से करीब 10 लीटर पानी निकला। अन्य वाहनों में भी यही स्थिति देखने को मिली।

इस घटना के बाद प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से पेट्रोल पंप को सील कर दिया है। मौके पर भारत पेट्रोलियम के क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीधर भी पहुंचे। प्रारंभिक पूछताछ में पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने बारिश के कारण टैंक में पानी के रिसाव की बात कही, हालांकि प्रशासन इसे गंभीर चूक मानते हुए जांच में जुट गया है।

गाड़ियों के साथ–साथ एक ट्रक चालक ने भी शिकायत दर्ज कराई कि उसने 200 लीटर डीजल भरवाया था, लेकिन वाहन थोड़ी ही दूरी पर जाकर बंद हो गया। इससे अंदेशा है कि यह लापरवाही केवल सीएम काफिले की गाड़ियों तक सीमित नहीं थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल इंदौर से वैकल्पिक गाड़ियों का इंतजाम किया, जिससे सीएम की सुरक्षा और कार्यक्रम में शामिल होने की योजना प्रभावित न हो। घटना ने पेट्रोल पंपों की ईंधन गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। साथ ही मुख्यमंत्री के काफिले से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था पर भी चिंता जताई जा रही है।

आरएसएस का नकाब फिर उतरा, उसे संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए: राहुल गांधी

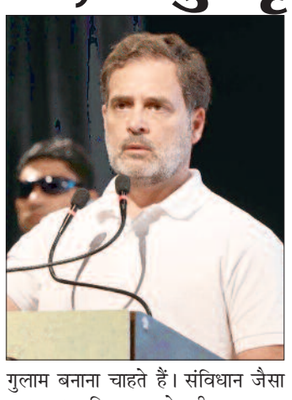

नई दिल्ली ,कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फरर) पर शुक्रवार को निशाना साधा। आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा करने संबंधी बयान दिया। इसे लेकर राहुल ने आरोप लगाया कि आरएसएस का नकाब फिर से उतर गया है। उसे संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, आरएसएस का नकाब फिर से उतर गया। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, आरएसएस–भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। ये बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आरएसएस ये सपना देखना बंद करे क्योंकि उसे सफल नहीं होने दिया जाएगा। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया, ह्यहर देशभक्त भारतीय आखिरी दम तक संविधान की रक्षा करेगा।

दत्तात्रेय होसबाले ने क्या कहा

आपातकाल पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरएसएस सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा था, ह्यबाबासाहेब आंबेडकर ने जो संविधान बनाया, उसकी प्रस्तावना में ये शब्द कभी नहीं थे। आपातकाल के दौरान जब मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, संसद काम नहीं कर रही थी, न्यायपालिका पंगु हो गई थी, तब ये शब्द जोड़े गए।ह्न उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर बाद में चर्चा हुई लेकिन प्रस्तावना से उन्हें हटाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। होसबोले ने कहा, इसलिए उन्हें प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं, इस पर विचार किया जाना चाहिए।

जयराम रमेश भी हुए हमलावर

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, आरएसएस ने कभी भी भारत के संविधान को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया। इसने 30 नवंबर 1949 के बाद से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू और इसके निर्माण में शामिल अन्य लोगों पर निशाना साधा। आरएसएस के अपने शब्दों में संविधान मनुस्मृति से प्रेरित नहीं था।ह्न उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा ने बार–बार नए संविधान का आह्वान किया है। जयराम रमेश ने कहा, वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में यही प्रधानमंत्री मोदी का चुनावी नारा था। लेकिन भारत की जनता ने इस नारे को निर्णायक रूप से खारिज कर दिया। फिर भी, संविधान के मूल ढांचे को बदलने की मांग लगातार आरएसएस के तंत्र की ओर से की जाती रही है।

दिल्ली में गिरफ्तार बांग्लादेशी को लेकर खुलासा

नई दिल्ली , दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की धरपकड़ के लिए पुलिस का ऑपरेशन लगातार जारी है। इसी क्रम में दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वड ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। ये व्यक्ति पिछले 15 साल से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक की पहचान ओहिद के रूप में हुई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि वो गैरकानूनी रूप से भारत में प्रवेश कर दिल्ली में फर्जी पहचान के सहारे रह रहा था।

दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वड की एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम को अवैध प्रवासियों की पहचान और इलाके में सतर्कता बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। टीम की गश्त और खुफिया जानकारी जुटाने के प्रयासों के चलते 24 जून को वसंत कुंज इलाके में एक बांग्लादेशी नागरिक की मौजूदगी की सूचना मिली। सूचना पर तेजी से कार्रवाई करते हुए टीम ने संदिग्ध व्यक्ति को ढूंढ निकाला, जिसने शुरुआत में खुद को मोहम्मद रोहित शेख बताया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस दिखाए, जिनमें उसे नदिया, पश्चिम बंगाल का निवासी दर्शाया गया था।

कोलकाता गैंगरेप पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट भयावह

कोलकाता , कोलकाता के साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज की फर्स्ट ईयर की छात्रा से गैंगरेप के मामले में मेडिकल जांच ने पीड़िता के दावों की पुष्टि की है। जांच में पीड़िता के शरीर पर जबरन एंट्री, काटने के निशान और नाखूनों के खरोंच के सबूत मिले हैं। यह घटना 25 जून को कॉलेज कैंपस में हुई, जिसमें एक पूर्व छात्र और 2 सीनियर छात्रों पर गैंगरेप का आरोप है। पुलिस ने मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा सहित तीनों आरोपियों को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल जांच के बाद एक अधिकारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत कस्बा पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। जांच के दौरान इसी तरह के सबूत मिले हैं। अधिकारी ने कहा कि आरोपी मिश्रा खुद आपराधिक मामलों का वकील है। उसने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया, जबकि अन्य दो आरोपियों ने कमरे के बाहर पहरा दिया। मुख्य पुलिस अभियोजक सौरिन घोषाल ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि गैंगरेप के मामले में सभी शामिल व्यक्तियों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा, भले ही सभी ने दुष्कर्म न किया हो।

मामले को लेकर राज्य में गरमाई राजनीति

गैंगरेप के इस मामले ने पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर हंगामा मचा दिया है। इससे तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया है। टीएमसी की ओर से मंत्री शशि पांजा ने कहा कि पुलिस ने शिकायत के 12 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले में न्याय होगा और आगे की जांच जारी है।

वहीं, भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने दावा किया कि सामूहिक दुष्कर्म की घटना यह दर्शाती है कि राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में छात्राएं सुरक्षित नहीं हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नैनीताल स्थित शेरवुड कॉलेज के 156वें स्थापना दिवस समारोह में प्रतिभाग किया

अपने लक्ष्य को संकीर्ण मत बनाइए, आत्मकेंद्रित मत बनाइए समाज के लिए, मानवता के लिए, राष्ट्र के लिए लक्ष्य रखिए : उपराष्ट्रपति

नैनीताल। भारत के उपराष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ ने आज छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, अपने लक्ष्य को संकीर्ण मत बनाइए। आत्मकेंद्रित मत बनाइए। समाज, मानवता और राष्ट्र के लिए लक्ष्य रखिए। यदि आप इतिहास में झांकें, हजार वर्षों में हम किन्हें याद करते हैं? केवल उन्हें, जिन्होंने समाज के लिए कार्य किया, समाज के लिए जिया और अपना जीवन समाज को समर्पित किया।

नैनीताल के शेरवुड कॉलेज की 156वीं स्थापना दिवस पर विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आपको यह भावना आत्मसात करनी होगी – राष्ट्र सर्वोपरि। हमें बिना शर्त, पूर्ण राष्ट्रवाद को स्वीकार करना होगा, क्योंकि भारत, जो एक अनूठा राष्ट्र है और जिसकी 5000 वर्षों की सांस्कृतिक विरासत है, यही उसकी न्यूनतम अपेक्षा है।उन्होंने कहा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उसकी पहुंच और वहन करने की क्षमता किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए मूलभूत हैं, शिक्षा ईश्वर का वरदान है। अगर आपको गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है, तो आप भाग्यशाली हैं। अगर आपको इस प्रकार की शिक्षा 1.4 अरब की जनसंख्या वाले देश में मिलती है, तो आप सच में विशेषाधिकार प्राप्त हैं। शिक्षा एक महान समतुल्य है। समानता चाहे कानून में हो या अन्यथा, उसे सर्वोत्तम रूप से केवल शिक्षा के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षा असमानता, अन्याय पर कठोर प्रहार करती है, और यही आप जीवन भर करने वाले हैं।अभिभावकों से अपील करते हुए उन्होंने कहा, ह्ममातृत्व–पितृत्व वह सबसे बड़ी जिम्मेदारी है जो केवल आपके बच्चों के प्रति ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के प्रति है। इसलिए कृपया अपने बच्चों पर दबाव न डालें। यह मत तय करें कि उनका जीवन का उद्देश्य क्या होगा। यदि आप तय करेंगे, तो वे सब केवल पैसे या सत्ता के पीछे दौड़ेंगे। फिर वैज्ञानिक कहां से आएंगे? खगोलशास्त्री कहां से आएंगे? वे लोग कहां से आएंगे जो पूरे विश्व की दिशा तय करते हैं?भारत की हाल की यात्रा और ह्यविकसित भारत के लक्ष्य की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, इस सदी में हम केवल साक्षरता की बात नहीं कर रहे हैं। साक्षरता बहुत पहले भारत के लिए महत्वपूर्ण थी। भारत आज संभावनाओं वाला देश नहीं रहा। जैसे आपकी प्रतिभा को आपके शिक्षकगण आगे बढ़ा रहे हैं, वैसे ही भारत की संभावनाओं को प्रतिदिन व्यवहार में लाया जा रहा है। भारत एक उभरता हुआ राष्ट्र है। यह उभार निरंतर है। यह वृद्धि क्रमिक है। और यदि मैं पिछले दशक को देखूं, तो वैश्विक स्तर पर भारत की आर्थिक प्रगति अभूतपूर्व रही है। अवसंरचना में अद्भुत वृद्धि हुई है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में हम सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। भारत के लिए पिछला दशक विकास का दशक रहा है, प्रगति का दशक रहा है, वैश्विक परिप्रेक्ष्य में एक नई जगह बनाने का दशक रहा है। और अब इसे आपको आगे ले जाना है – क्योंकि विकसित भारत केवल हमारा सपना नहीं, हमारा लक्ष्य है।

संस्थान के पूर्व छात्रों की विरासत को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, आप ऐसे स्थान पर हैं जहां दिग्गजों ने कदम रखे हैं। मेजर सोमनाथ शर्मा, भारत के पहले परमवीर चक्रविजेता – इस राष्ट्र का सर्वोच्च सैन्य सम्मान – यहीं के छात्र थे। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ, 1971 की ऐतिहासिक विजय के शिल्पकार, जिन्होंने यह जीत राष्ट्र को दिलाई – वे भी यहीं से शिक्षित हुए। आप उस विरासत में जी रहे हैं – इसे कभी न भूलें। और अगर मैं अन्य क्षेत्रों की बात करूं, तो अनेक नाम हैं, लेकिन मैं एक नाम अवश्य लूंगा – अमिताभ बच्चन का, क्योंकि उनकी पत्नी जया बच्चन राज्यसभा की प्रतिष्ठित सदस्य हैं। अमिताभ बच्चन हमें हमेशा याद दिलाते हैं – कर्म ही पूजा है। कार्य करने की कोई उम्र नहीं होती – आपको निरंतर योगदान करते रहना है। उन्होंने आगे कहा, उनकी अद्भुत उपलब्धियां आपकी विरासत हैं, और विरासत का महत्व होता है। उनकी उपलब्धियां आपकी नींव हैं, लेकिन इससे भी अधिक – उनकी विरासत अब आपकी जिम्मेदारी है। आपको नए मानक स्थापित करने होंगे। युवाओं को परिवर्तन के प्रेरक के रूप में कार्य करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, दुनिया भारत की ओर केवल उसके उत्थान के कारण नहीं, केवल उसके वैज्ञानिक विकास के कारण नहीं, केवल अधोसंरचना विकास के कारण नहीं देख रही है; वह भारत की ओर देख रही है क्योंकि हमारे पास एक अद्वितीय जनसांख्यिकीय लाभांश है। हमारे युवाओं की औसत आयु 28 वर्ष है। हम चीन और अमेरिका से 10 वर्ष छोटे हैं।

सम्पादकीय

गरीबी तो घटी, पर गरीबों का जीवन ज्यादा नहीं बदला

हाल ही में आई विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2011–12 में भारत में चरम गरीबी 27.1 प्रतिशत थी, जो 2022–23 में घटकर सिर्फ 5.3 प्रतिशत रह गई। इस दौरान लगभग 27 करोड़ लोग गरीबी–रेखा से ऊपर आ गए हैं। यह आंकड़ा बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन यह निष्कर्ष गरीबी आंकने के तरीके पर सवाल खड़े करता है। क्या हम भारत में कुछ ही लोगों को गरीब मान रहे हैं या गरीबी के पूरे दायरे को समझने में विफल हो रहे हैं? भारत में गरीबी मापने का पैमाना मुख्य रूप से आय या उपभोग है। यह अभाव के बारे में बहुत कुछ नहीं कहता। तेंदुलकर समिति और बाद में रंगराजन समिति ने उपभोग के तरीके में आ रहे बदलाव को दर्शाने के लिए गरीबी रेखा में सुधार तो किया,पर मानदंड आय को ही बनाए रखा। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, यानी यूएनडीपी के बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) सहित सभी मानक इस बात पर जोर देते हैं कि गरीबी के आकलन में शिक्षा, स्वास्थ्य व जीवन स्तर के अभावों को भी शामिल किया जाना चाहिए। आलोचकों का कहना है, महामारी के बाद बिना किसी जमीनी सर्वेक्षण के केवल अनुमानित आंकड़ों पर आधारित ये निष्कर्ष प्रगति की टेढ़ी–मेढ़ी तस्वीर पेश करते हैं। ये लोंगों को मिली सुविधाओं या व्यवस्था की कमियों को ठीक से सामने नहीं लाते। गरीबी घटने के इस अनुमान को मान भी लें, तो यह किसके फायदे में है? आय में वृद्धि तो हुई है, पर स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, परिवहन और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसी आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं तक लोगों की पहुंच में कमी बनी हुई है। बहुसंख्यक आबादी के लिए इन सुविधाओं को प्राप्त करना टेढ़ी खीर है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में 2011–12 में 65 प्रतिशत तक अति–गरीबी थी। अब देश में जो गरीबी में कमी दर्ज की गई है, उनमें इन राज्यों में ही दो–तिहाई तक कमी बताई गई है। मगर 'असमानता सूचकांक रिपोर्ट 2025' में इन राज्यों में विषमता की तस्वीर अधिक गहरी है। असमानता सूचकांक पांच कसौटियों– बुनियादी सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सामाजिक–आर्थिक सेवा और कानूनी मदद की उपलब्धता पर राज्यों का आकलन करता है। इसमें उत्तर प्रदेश और बिहार 'आकांक्षी' श्रेणी में बने हुए हैं। उत्तर प्रदेश में केवल 19 प्रतिशत और बिहार में 21.5 फीसदी परिवारों को खाना पकाने का स्वच्छ ईंधन मिल पाता है। उधर, गोवा में 90 प्रतिशत परिवार पक्के घरों में रहते हैं, जबकि केरल में 83.4 प्रतिशत और तमिलनाडु में 87.9 प्रतिशत हैं। इनके मुकाबले बिहार, यूपी, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य बहुत पीछे हैं। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2021' रिपोर्ट द्वारा घरेलू आय के आंकड़ों का विश्लेषण कोविड के आर्थिक प्रभाव को उजागर करता है। इस विश्लेषण के अनुसार, सबसे निचली 10 प्रतिशत आबादी की आय में 27 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई, जबकि 40 से 50 फीसदी आबादी की आय में 23 प्रतिशत व शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों की कमाई में 22 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। इसी तरह 'हंगर वॉच सर्वेक्षण' ने 2022 में बताया कि 80 प्रतिशत प्रतिभागियों ने किसी न किसी रूप में खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया, जिसमें 25 प्रतिशत गंभीर संकट (जैसे भूखे रहने) में थे। सर्वेक्षण के शुरुआती महीने में 41 प्रतिशत लोगों ने अपने आहार की पोषण गुणवत्ता में गिरावट की शिकायत की, जबकि 67 प्रतिशत लोगों ने बताया कि वे रसोई गैस खरीदने में असमर्थ हैं। 2022 में प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि महामारी के कारण भारत में लगभग साढे सात करोड़ नए लोग गरीबी की खाई में चले गए। बाद में 'स्टेट ऑफ वर्किंग इंडिया 2023' के अध्ययन में भी इसकी पुष्टि की गई।

डिजिटल क्रांति की कथा सुनाने लगे गांव

ग्यारह साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली, तब भारत के लाखों गांव इंटरनेट कनेक्टिविटी से अछूते थे। प्रधानमंत्री जानते थे कि यदि भारत को 21वीं सदी में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है, तो प्रत्येक गांव, पंचायत और कस्बे को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना होगा। इसी दृष्टि से 'भारत नेट परियोजना' शुरू की गई, जो विश्व की सबसे बड़ी ग्रामीण टेलीकॉम कनेक्टिविटी परियोजना है। इसके पहले चरण में 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जा चुका है, अगले चरण में और 2.64 लाख ग्राम पंचायतों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य है। इन उपलब्धियों से भारत में एक विशाल डिजिटल हाईवे का निर्माण हुआ है, जिसके लाभ आज देश के हर कोने में महसूस किए जा रहे हैं। दूरसंचार का महत्व केवल फोन, टीवी या कंप्यूटर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण बन चुका है। जन–धन, आधार और मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी ने डिजिटल वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया,
केंद्रीय संचार मंत्री

आज गलवान और सियाचिन जैसे दुर्गम इलाकों में तैनात हमारे सैनिक इंटरनेट की तेज स्पीड के साथ पूरी दुनिया से जुड़ रहे हैं। जो कभी बर्फीली खामोशियों में रहते थे, वे अब हाई–स्पीड इंटरनेट से संवाद कर रहे हैं। देश के पूर्वोत्तर का व्यापारी वैश्विक बाजार तक पहुंच रहा है, तो छत्तीसगढ़ के जंगलों में रहने वाले छात्र ऑनलाइन पढ़ाई से अपने सपनों को ऊंची उड़ान दे रहे हैं। यह सिर्फ कनेक्टिविटी नहीं, मनोबल बढ़ाने वाली क्रांति है।

यह बदलाव अचानक नहीं आया है, यह उस संकल्प की परिणति है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' के रूप में लिया था। बीते 11 वर्षों में दूरसंचार क्षेत्र में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों ने एक नई डिजिटल क्रांति को जन्म दिया, जो न केवल शहरों को, बल्कि गांवों, सीमाओं व जंगलों को भी जोड़ रही है। आज, जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, तो इस यात्रा में मजबूत दूरसंचार तंत्र व भरोसेमंद इंटरनेट कनेक्टिविटी एक सशक्त उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने सिर्फ तकनीकी विकास नहीं, बल्कि तकनीक के माध्यम से जन–सशक्तीकरण का नया अध्याय रचा है। भारत के दूरसंचार और इंटरनेट उपयोग में पिछले 11 वर्षों में आई क्रांति का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रति उपयोगकर्ता डाटा खपत 2014 में जहां 61 एमबी हुआ करती थी, आज 2025 में 21.5 जीबी हो चुकी है। मेगाबाइट से गीगाबाइट तक की यह वृद्धि 'डिजिटल इंडिया' की नींव बन रही है। मात्र 11 साल में ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 1,449 फीसदी की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई, जिसकी संख्या आज 95 करोड़ है। मार्च 2014 से मार्च 2025 तक भारत में टेलीफोन कनेक्शन की संख्या 93.3 करोड़ से बढ़कर 120.167 करोड़ हो गई है, जिसमें मोबाइल उपयोगकर्ताओं की संख्या 115.786 करोड़ है। आज भारत, विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन चुका है। यहां बिकने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल देश में ही बनते हैं। एक समय था, जब एक जीबी डाटा के लिए उपभोक्ताओं को 268.97 रुपये चुकाने पड़ते थे, लेकिन आज वह मात्र 9.34 रुपये में उपलब्ध है, यानी 96 प्रतिशत की अभूतपूर्व गिरावट हमारे 'सर्वव्यापी कनेक्टिविटी' को शक्ति दे रही है।

ग्यारह साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली, तब भारत के लाखों गांव इंटरनेट कनेक्टिविटी से अछूते थे। प्रधानमंत्री जानते थे कि यदि भारत को 21वीं सदी में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है, तो प्रत्येक गांव, पंचायत और कस्बे को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना होगा। इसी दृष्टि से 'भारत नेट परियोजना' शुरू की गई, जो विश्व की सबसे बड़ी ग्रामीण टेलीकॉम कनेक्टिविटी परियोजना है। इसके पहले चरण में 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जा चुका है, अगले चरण में और 2.64 लाख ग्राम पंचायतों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य है। इन उपलब्धियों से भारत में एक विशाल डिजिटल हाईवे का निर्माण हुआ है, जिसके लाभ आज देश के हर कोने में महसूस किए जा रहे हैं।

दूरसंचार का महत्व केवल फोन, टीवी या कंप्यूटर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण बन चुका है। जन–धन, आधार और मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी ने डिजिटल वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। आज इसी डिजिटल हाईवे के माध्यम से भारत वैश्विक डिजिटल पेमेंट्स में 46 प्रतिशत योगदान दे रहा है, जो देश की तकनीकी क्षमताओं और जन–सहभागिता का सशक्त प्रमाण है।

ट्रैफिक के बढ़ते दबाव के अनुरूप इस सरकार ने लगातार तकनीकी नवाचार करते हुए देश की इंटरनेट कनेक्टिविटी को आधुनिक व सक्षम बनाए रखा है। इस प्रयास के केंद्र में है हमारा स्वदेशी संचार नायक– बीएसएनएल। 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत सरकार द्वारा किए गए ठोस प्रयासों के फलस्वरूप यह एक बार फिर मजबूती से उभर रहा है। 17 वर्षों में पहली बार इसने लगातार दो वित्तीय तिमाही में शुद्ध लाभ दर्ज किया है। देश भर में 93,000 से अधिक 4जी टावर की स्थापना के साथ बीएसएनएल अपने उपयोगकर्ताओं को सुलभ और निर्बाध 4जी कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रहा है, वह भी पूर्ण स्वदेशी तकनीक के माध्यम से।बीएसएनएल ने महज 22 महीनों में देश का पहला पूर्ण स्वदेशी 4जी स्टैक विकसित किया, जिससे भारत उन पांच देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो यह तकनीकी आत्मनिर्भरता प्राप्त कर चुके हैं। जनता के इस भरोसे और समर्थन ने बीएसएनएल को यह ऐतिहासिक सफलता दिलाई है, जो 'डिजिटल इंडिया' के आत्मनिर्भर संचार तंत्र की एक बड़ी उपलब्धि है।

इसी संचार क्रांति की अगली कड़ी में अब डाक विभाग भी तकनीक और सेवा के क्षेत्र में एक नई भूमिका निभा रहा है। एक समय था, जब डाक विभाग को केवल पत्र लाने–ले जाने तक सीमित माना जाता था, पर आज यह विभाग ग्रामीण भारत की जीवन–रेखा के रूप में उभर रहा है। 1.6 लाख से अधिक डाकघरों के व्यापक नेटवर्क के साथ इसे एक सशक्त लॉजिस्टिक्स और सेवा प्रदाता संगठन के रूप में बदला जा रहा है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं अब देश के कोने–कोने तक पहुंच चुकी हैं। यह बदलाव इतना व्यापक है कि अब 'डाकिया डाक लाया' की पारंपरिक छवि की जगह 'डाकिया बैंक लाया' की नई पहचान ने ले ली है। यह परिवर्तन सिर्फ सेवा का नहीं, बल्कि सशक्तीकरण का माध्यम बन गया है, जहां ग्रामीण भारत को अब शहरों की ओर देखने की जरूरत नहीं, बल्कि गांव अब डिजिटल भारत की गति को संबल दे रहे हैं। सरकार डाक विभाग को देश की आर्थिक आधारशिला का हिस्सा बनाते हुए इसे एक वित्तीय महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

ग्रामीण विकास के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का ही यह परिणाम है कि गांव में बैठे–बैठे आम जनता सुविधाजनक तरीके से न सिर्फ सरकारी सुविधाओं का लाभ ले पा रही है, बल्कि राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए अब बड़े शहरों पर आश्रित नहीं होना पड़ता, क्योंकि उनके गांव में सुलभ मजबूत कनेक्टिविटी और ऑनलाइन कक्षाएं उनके लिए नित नए द्वार खोल रही हैं। व्यापारियों को अब बैंकों के चक्कर नहीं काटने पड़ते, क्योंकि इंटरनेट के माध्यम से सभी लेन–देन और हिसाब ऑनलाइन ही हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश को डिजिटल कनेक्टिविटी में विश्व–स्तरीय सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए प्रतिबद्ध रही है और पिछले 11 वर्ष इसकी अभूतपूर्व सफलता के गवाह रहे हैं।

हिंदी की सेवा में सौ साल से जुटा सस्ता साहित्य मंडल

रीतारानी पालीवाल,
पूर्व प्रोफेसर, इग्नू

हम सब जानते हैं, आधुनिक भारतीय नवजागरण का लक्ष्य राजनीतिक गुलामी से आजादी के साथ–साथ मानसिक–बौद्धिक दासता से मुक्ति का प्रयास भी था। इसके लिए देशवासियों में अपने अतीत और वर्तमान के प्रति जागरूकता लाना, उन्हें देश–विदेश के साहित्य से, पुराने और नए ज्ञान–विज्ञान से अवगत कराना आवश्यक था। यह भी आवश्यक था कि यह ज्ञान–संपदा लोगों को उनकी अपनी भाषा में सुलभ हो, ताकि अधिकाधिक लोग उससे लाभ उठा सकें। इसी बात को ध्यान में रखते हुए 'सस्ता साहित्य मंडल' ने ऊंचे दरजे का रचनात्मक साहित्य न्यूनतम मूल्य पर पाठकों को हिंदी में उपलब्ध कराने और उसका प्रसार करने का दायित्व संभाला और पिछली एक सदी से सफलतापूर्वक अपने इस फर्ज का निर्वाह करता चला आ रहा है।

सस्ता साहित्य मंडल एक गैर–लाभकारी प्रकाशन संस्था है, जिसकी स्थापना सन् 1925 में अजमेर में हुई थी। महात्मा गांधी की प्रेरणा और जमनालाल बजाज, घनश्याम दास बिड़ला व जीतमल लूणिया के प्रयासों से स्थापित इस प्रकाशन संस्था का मूल उद्देश्य जन–सामान्य को बौद्धिक–मानसिक स्वतंत्रता की ओर उन्मुख करना था। करीब नौ साल बाद 1934 में इसका कार्यालय अजमेर से दिल्ली लाया गया और 1939 में 'सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन ऐक्ट' के अंतर्गत नए सिरे से इसका पंजीकरण कराया गया। उस समय घनश्याम दास बिड़ला, जमनालाल बजाज, डॉ राजेंद्र प्रसाद, काका कालेलकर, हरिभाऊ उपाध्याय, महावीर प्रसाद पोद्दार, जीतमल लूणिया, देवदास गांधी जैसे देशप्रेमी और जन–हितैषी व्यक्ति मंडल प्रबंध समिति के सदस्य थे।

जन–जागरण और मुक्ति की चेतना के प्रसार की आकांक्षा से जन्मी इस संस्था ने जो पहली पुस्तक प्रकाशित की, उसका शीर्षक था, दक्षिण अफ्रीका का सत्याग्रह। यह महात्मा गांधी द्वारा मूलतः गुजराती में लिखित दक्षिण अफ्रीका न सत्याग्रह ने इतिहास का हिंदी अनुवाद है। इस किताब का पहला खंड मंडल के स्थापना–वर्ष में ही छपकर आ गया था, दूसरा खंड अगले वर्ष 1926 में प्रकाशित हुआ। मंडल की तीसरी पुस्तक गांधीजी की अछूतोद्धार आई और चौथी थी, प्राचीन भारत के स्त्री रत्न। यह किताब भी गुजराती से हिंदी अनुवाद था। इसका पाठक समाज में इतना स्वागत हुआ कि कुछ वर्षों में ही इसके तीन संस्करण आ गए। अपनी स्थापना के डेढ़ दशक के कार्यकाल में न केवल 150 पुस्तकें प्रकाशित कर ली थीं, बल्कि गांधीवादी विद्वान हरिभाऊ उपाध्याय के संपादन में जीवन साहित्य नामक एक मासिक पत्रिका का प्रकाशन भी शुरू कर दिया, जो आधी शताब्दी से भी अधिक समय तक जारी रहा।

इस प्रकाशन ने विभिन्न भारतीय भाषाओं की श्रेष्ठ कृतियों के हिंदी अनुवाद प्रकाशित किए। अंग्रेजी लेखकों के अनुवाद के साथ ही इसने टॉलस्टॉय, खलील जिब्रान, लुई फिशर, तुर्गनेव, स्टीफन ज्विग, आंद्रे जींद, हैरियट बीचर स्तो आदि महान लेखकों की रचनाएं अनुवाद कर हिंदी पाठकों को सुलभ कराया। पिछली सदी के साठ तक के दशक में पली–बढ़ी हिंदीभाषी पीढ़ी के अनेक लोग आज भी कहते हुए मिलते हैं कि हम तो सस्ता साहित्य मंडल की किताबें पढ़ते हुए बड़े हुए हैं।

ऐसा नहीं है कि अब इसका महत्व कम हो गया है। आज हिंदी में कई बड़े–बड़े प्रकाशक हैं, लेकिन सस्ता साहित्य मंडल की पुस्तकें, उनके विषय–वस्तु, रंग–रूप, छपाई आदि काफी सराही जाती हैं। इसकी किताबें सस्ती भी हैं। यहां तक कि प्रकाशन विभाग, केंद्रीय हिंदी संस्थान जैसे संस्थानों की किताबें भी यहां से छपती हैं। रही बात पाठक–वर्ग की, तो स्कूली बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक इसकी पहुंच है। सभी तरह की किताबें यहां से छपती हैं, फिर चाहे वे विज्ञान की हों या साहित्य की, या फिर दर्शन या संस्कृति की। एक बड़े पाठक–वर्ग तक इसकी किताबें पहुंच रही हैं। यहां नई–पुरानी सभी किताबें मिल जाती हैं, जिसके कारण इसकी प्रतिष्ठा काफी ज्यादा है। जाहिर है, मंडल एक समृद्ध परंपरा को जी रहा है। इसने सभी विधाओं में महान रचनाकारों की कृतियां प्रकाशित की हैं। ऐसे में, सौ साल का इसका सफर एक बड़ी उपलब्धि है। हिंदी की सेवा में इसके योगदान की हमें सराहना करनी चाहिए।

मेडे, ये वो आपात संदेश

मेडे, ये वो आपात संदेश था जो अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान के पायलट ने उड़न भरने के तुरंत बाद हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) को भेजा था, लेकिन एटीसी जब तक कोई प्रतिक्रिया करता तब तक दूसरी ओर सुनने वाला कोई बचा नहीं था। विमान टेक ऑफ करने के कुछ ही मिनटों के भीतर हवाई अड्डे के बाहर सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार देशी विदेशी यात्रियों और क्रू सहित 242 लोगों में से सिर्फ एक खुशकिस्मत यात्री के सिवा कोई नहीं बचा।

मेडिकल कॉलेज होस्टल, कैफेटेरिया को भी भारी क्षति पहुंची और 10 से अधिक लोगों की भी मौत हुई है जिनमें कुछ प्रशिक्षु चिकित्सक थे। लंदन जा रहे गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी मृत्यु हो गई। स्वाभाविक तौर पर यह कभी न भूलने वाला गम है। हादसे के वास्तविक कारणों का पता तो जांच के बाद ही लग सकेगा, लेकिन कुछ तथ्यों पर तुरंत गौर करना जरूरी है। वह क्या कारण थे कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान (एआई171) उड़ान भरने के बाद 625 फुट से ऊपर नहीं उठ पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विमान के लैडिग गेयर भी तब तक सिमटे नहीं थे कि पायलट को आपात पुकार लगानी पड़ी, लैंडिग गेयर समेटने की प्रक्रिया स्वचालित होती है। क्या विमान टेक ऑफ के लिए जरूरी गति नहीं पकड़ पाया था। विमान को तेजी से नीचे आते देखा गया और यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऐसा भी नहीं है कि पायलट कम अनुभवी रहे हों। उड़ान की कमान कैप्टन सुमित सभरवाल के हाथों थी। सभरवाल के पास 8200 घंटे की उड़ान का अनुभव था। हादसे की परिस्थितियां विमान के रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। क्या उड़ान से पहले जरूरी जांचों में लापरवाही बरती गई थी? बोइंग कंपनी के विमानों को लेकर बीते वर्षों में इसमें कई तकनीकी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी सामने आई हैं। कई बार ड्रीमलाइनर्स मॉडल के सभी विमानों को उड़ान भरने से रोका जा चुका है। कंपनी अभी तक तो सभी आरोपों से इनकार करके बचती रही है। अब वक्त आ गया है कि अहमदाबाद हादसे में मारे गए पायलट की आपात पुकार को हर वक्त सुना जाए और विमानों के मेंटिनेंस में लापरवाही को आपराधिक कृत्य माना जाए ताकि अब कोई और हादसा न हो और देश की छवि पर कोई धब्बा न लगे।

कुबेर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 6: वर्ल्डवाइड 100 करोड़ी क्लब में शामिल धनुष–नागार्जुन की क्राइम–थ्रिलर, बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म

शेखर कम्मुला की निर्देशित फिल्म कुबेर को ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है. मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर एलान किया कि फिल्म दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई है. कुबेर मुख्य एक्टर के तौर पर धनुष की 51वीं फिल्म है. यह काले धन, छल–कपट और सत्ता संघर्ष के विषयों पर आधारित है. इसे तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषाओं में रिलीज किया गया. इसके दिलचस्प ट्रेलर और थीम सॉन्ग ने इसे लेकर चर्चा को और बढ़ा दिया है. रिलीज से पहले ही कुबेर के लिए उत्सुकता साफ देखी जा सकती थी. फैंस यह देखने के लिए उत्सुक थे कि धनुष इस क्राइम ड्रामा में अपने किरदार को कैसे निभाएंगे. धनुष की दमदार अभिनय और शेखर कम्मुला के निर्देशन वाली सामाजिक–राजनीतिक ड्रामा ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की है. कुबेर ने महज पांच दिनों में 100 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है. यह धनुष की दूसरी तेलुगु फिल्म है जिसने 100 करोड़ रुपये के क्लब में प्रवेश किया है. शानदार समीक्षा और जबरदस्त वर्ड–ऑफ–माउथ ने फिल्म को रिकॉर्ड तोड़ कमाई तक पहुंचाया है. मेकर्स ने सोशल मीडिया पर कुबेर का वर्ल्डवाइड कलेक्शन साझा किया और बताया कि फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर ली है. इसे साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, धन. बुद्धि. और अब... 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की लहर. कुबेर ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शतक जड़ा.

आंद्रे रसेल ने रचा इतिहास, टी20 क्रिकेट में बड़ी उपलब्धि की हासिल

नई दिल्ली, । वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने मेजर लीग क्रिकेट 2025 के दौरान टी20 क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है. शुक्रवार, 27 जून को अमेरिका के डलास में वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए रसेल ने टी20 क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की.

टूर्नामेंट में पिछले कुछ मैच मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद विस्फोटक बल्लेबाज रसेल ने वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ मुकाबले में आखिरकार अपनी ताकत दिखाई. रसेल ने इस दौरान 13 गेंदों पर 30 रनों की धुआंधार पारी खेली. आंद्रे फ्लेचर के शतक के बाद अपनी तूफानी पारी की मदद से रसेल ने नाइट राइडर्स को पहली पारी में (213/4) के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. इस पारी के दौरान ही वेस्टइंडीज के बल्लेबाज रसेल ने टी20 क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. रसेल अब टी20 क्रिकेट में 750 छक्के लगाने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं. मैच से पहले उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने के लिए केवल 2 छक्कों की जरूरत थी और उन्होंने अपनी 30 रनों की ताबड़तोड़ पारी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की, जिसमें उन्होंने कुल 3 छक्के जड़े.

आईसीसी ने बदले 5 नियम, शॉर्ट रन बढ़ाएगा सिरदर्द, कैच भी बनेगा चिंता का सबब

नई दिल्ली,आईसीसी क्रिकेट को और बेहतर बनाने के लिए लगातार क्रिकेट के नियमों में बदलाव कर रहा है. नए नियमों के मुताबिक क्रिकेट को बल्लेबाज, गेंदबाज और फील्डर्स के लिए ज्यादा से ज्यादा आसान बनाने की कोशिश की जा रही है. अब एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद नियम परिवर्तन करने के लिए तैयार है. इनमें से कुछ नियम 17 जून से लागू हो गए हैं.

टेस्ट के लिए स्टॉप क्लॉक और नए निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) तो 2025–27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्रके साथ अमल में आ गया है लेकिन व्हाइट–बॉल क्रिकेट में लागू होने वाले नियम 2 जुलाई से लागू होने वाले हैं. ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक 5 नियमों में बदलाव हुआ है. आइए उनके बारे में जानते हैं.

यह नियम पहले से ही वनडे और टी20 क्रिकेट में लागू है. अब ये टेस्ट क्रिकेट में भी लागू कर दिया गया है. नए नियम के अनुसार फील्डिंग टीम को पिछले ओवर के समाप्त होने के एक मिनट के भीतर अगला ओवर शुरू करना होगा. ऐसा न करने पर अंपायर द्वारा दो चेतावनी दी जाएगीं, जिसके बाद फील्डिंग टीम पर पांच रन का जुर्माना लगाया जाएगा. हर 80 ओवर के बाद चेतावनियां रीसेट की जाएगी.

बॉक्स ऑफिस पर सितारे जमीन पर ने पांचवें दिन कमाए 8.50 करोड़ रुपये करोड़ रुपये

आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा होने जा रहा है। यह फिल्म 20 जून को दर्शकों के बीच आई थी और यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर जमकर नोट छाप रही है। केवल 5 दिन में इस फिल्म ने भारत में 75.15 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं। कामकाजी दिनों में भी यह बढ़िया प्रदर्शन कर रही है। आइए जानें सितारे जमीन पर ने पांचवें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सितारे जमीन पर ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले मंगलवार को 8.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 75.15 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म ने 10.7 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 20.2 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।

फिल्म मां को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी, बिना किसी कट के हुई पास

काफी समय से अभिनेत्री काजोल फिल्म मां को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी यह फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। वह इन दिनों फिल्म के प्रचार–प्रसार में व्यस्त हैं। इस फिल्म के जरिए काजोल लगभग 3 साल बाद बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। अब मां को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है। खास बात यह है कि सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को बिना किसी कट के पास किया है। रिपोर्ट के अनुसार, सेंसर बोर्ड की तरफ से मां को यू/ए 16+ सर्टिफिकेट मिल गया है। इस फिल्म को हर उम्र के लोग देख सकते हैं और 16 साल से कम उम्र के बच्चों को किसी व्यस्क के साथ फिल्म देखनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट में विवाद, अंपायरिंग से नाराज कोच डैरेन सैमी पहुंचे रेफरी के पास

नईदिल्ली,वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट में अंपायरिंग को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कोच डैरेन सैमी ने अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक के फैसलों पर नाराजगी जताते हुए मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ से मुलाकात की है। मुलाकात ब्रिजटाउन टेस्ट के दूसरे दिन 2 अहम फैसलों के खिलाफ वेस्टइंडीज के असंतोष के बाद हुई। इन फैसलों का मैच पर बड़ा असर पड़ा। ऑस्ट्रेलिया मैच में 82 रन की बढ़त बना चुका है। दूसरे दिन अंपायरिंग को लेकर 2 बड़े विवाद सामने आए। पहला मामला कप्तान रोस्टन चेज के आउट होने का था। पैट कमिंस की गेंद उनके पैड्स पर लगी और अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दिया। चेज ने डीआरएस लिया, लेकिन अल्ट्रा–एज में बेहद हल्के और पास–पास स्पाइक्स दिखे, जिससे अंदरूनी किनारे को लेकर संदेह बना रहा। दूसरा विवाद शाई होप के आउट होने को लेकर था, जो अपने अर्धशतक से सिर्फ 2 रन दूर थे। विवाद होप के कैच को लेकर हुआ, जो ब्यू वेबस्टर की गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी को कैच थमा बैठे। हालांकि रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद कैरी के दस्तानों में जाने से पहले जमीन को छू रही थी। मामला थर्ड अंपायर के पास गया, लेकिन ऑन–फील्ड अंपायर का फैसला बरकरार रहा। दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद सैमी ने अंपायर होल्डस्टॉक की अंपायरिंग पर सवाल उठाए और मैच अधिकारियों से ज्यादा पारदर्शिता व स्थिरता की मांग की।

एक नजर

सेवानिवृत्त सचिवों की बैठक 29 को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः जिला सहकारी समिति के सेवानिवृत्त सचिवों की बैठक 29 जून को आयोजित की जाएगी। बैठक डीसीडीएफ के कार्यालय में आयोजित की जाएगी। साधन सहकारी सचिव परिषद के पूर्व अध्यक्ष सुबोध देवरानी ने कहा कि पूर्व सचिवों की ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण, एवं ग्रेड पे को लेकर जिला सहायक निबंधक से वार्ता भी हुई है, जिसमें समस्त समस्याओं के समाधान पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि इसी संबध में सेवानिवृत्त सचिवों की बैठक 29 जून को आहूत की गई है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त सचिवों को बैठक में आने का आग्रह किया है।

लोगों को विधिक सेवा योजनाओं से मिल रही राहत

चमोली। ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक सेवा जागरूकता कार्यक्रमों में लोगों को उनके कानूनी अधिकारों तथा न्यायिक प्रक्रियाओं की जानकारी देकर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। पैरा लीगल वॉलंटियर अशोक चौधरी ने बताया कि जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान यह सामने आया कि कई दिव्यांग महिलाएं आज भी ऐसे परिवारों में रह रही हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है और अभी तक न तो कोई दिव्यांग प्रमाण पत्र मिला है और न ही किसी प्रकार की सरकारी पेंशन योजना का लाभ मिल रहा है। ऐसे मामलों में उनके दस्तावेज तैयार कराने, चिकित्सा परीक्षण कराने एवं समाज कल्याण विभाग के समक्ष आवेदन प्रक्रिया में सहयोग किया जा रहा है। वरिष्ठ नागरिकों को भी उनके अधिकारों की जानकारी दी जा रही है।

गोपेश्वर में नगर पालिका अधिशासी अधिकारी ने निरीक्षण किया

चमोली। जिला मुख्यालय गोपेश्वर में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के लिए नगर पालिका परिषद गोपेश्वर ने विशेष अभियान तेज कर दिया है। गोपेश्वर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी ने डोर टू डोर कूड़ा एकत्रीकरण प्रणाली का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड संख्या 3 कुंड में स्थानीय निवासी गीले व सूखे कूड़े को अलग–अलग कर कूड़ेदान में डाल रहे हैं, जो एक सराहनीय कदम है। वार्ड संख्या 2 एवं अपर बाजार वार्ड संख्या 4 में लोगों द्वारा गीले और सूखे कूड़े को अलग–अलग किया जा रहा है जबकि कुछ स्थानों में इसे मिलाया जा रहा है। परिषद कर्मियों की ओर से लोगों को नियमों के प्रति जागरूक किया गया। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी ने बताया निरीक्षण के दौरान दो व्यक्तियों को खुले में कूड़ा फेंकते हुए पाया गया, जिनके विरुद्ध नगर पालिका द्वारा तत्काल चालान की कार्रवाई की गई।

वनों से 7 हजार क्विंटल पिरूल का किया गया है संग्रहण

नई टिहरी। वनों में आग का बड़ा कारण बने पिरूल के निस्तारण व व्यवसायिक उपयोग के लिए वन विभाग की नई टिहरी रेंज के तहत स्थापित पिरूल संग्रहण केंद्र में 7 हजार क्विंटल पिरूल का संग्रहण स्वयं सहायता समूहों की मदद से किया गया है। जिसमें से 60 क्विंटल पिरूल अब तक ब्रीकेट (कोयला) बनाने के लिए रिंगालगढ़ में स्थापित मशीन के लिए भेजा गया है। नई टिहरी रेंज के वनाधिकारी आशीष डिमरी ने बताया कि लगातार बारिश के कारण वनों में भले इस बार वनाग्नि की घटनायें टिहरी डिवीजन में न के बराबर रही है। लेकिन इसके बाद भी वन महकमे के आलाधिकारियों व शासन के निर्देशानुसार वनों में आग के बड़े कारण पिरूल के निस्तारण के लिए लगातार कार्यवाही जारी रखी गई है। जिसके तहत नई टिहरी रेंज के तहत स्थापित पिरूल संग्रहण केंद्र में अब तक इस बार 7 हजार क्विंटल का पिरूल एकत्र किया गया है। पिरूल एकत्रीकरण का कार्य सफलतापूर्वक स्वयं सहायता समूहों की मदद से किया गया है। स्वयं सहायता समूहों को पिरूल का प्रतिकिलो 10 रुपये वन विभाग की ओर से भुगतान किया जा रहा है।

अब तक 60 क्विंटल पिरूल रिंगालगढ़ में ब्रीकेट बनाने की मशीन को उपलब्ध करवाया दिया गया है। जिससे पिरूल का व्यवसायिक उपयोग भी पायेगा। पिरूल से बने ब्रीकेट का कोयले के रूप में प्रयोग किया जायेगा। जिससे वनों पर आम लोगों की निर्भरता भी कम होगी और वनों को पर्याप्त संरक्षण भी होगा। डीएफओ पुनीत तोमर का कहना है कि डिवीजन के तहत पिरूल निस्तारण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जितना अधिक पिरूल का निस्तारण होगा। उतना ही वनों की आग से सुरक्षा पुख्ता हो पायेगी।

पहाड़ से मैदान के लिए बढ़े यात्री, सीट को मारामारी

• दिल्ली सहित अन्य मैदानी क्षेत्रों के लिए बढ़ी यात्रियों की संख्या • कोटद्वार से वाहनों में सीट के लिए घंटों करना पड़ रहा इंतजार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गर्मियों की छुट्टी पर पहाड़ आए प्रवासियों के वापस लौटने का सिलसिला शुरु हो गया है। यही कारण है कि इन दिनों कोटद्वार बस अड्डे में मैदान को जाने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफ हो गया है। वाहनों में पहले सीट पाने के लिए यात्रियों में मारामारी देखने को मिल रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए परिवहन विभाग की ओर से दिल्ली रूट पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया जा रहा है।

कोटद्वार बस स्टेशन में बस के इंतजार में खड़े यात्री

स्कूलों में गर्मियों की छुट्टी पड़ने के बाद बड़ी संख्या में प्रवासी अपने गांव पहुंचे थे। लेकिन, अब स्कूल खुलने की तिथि नजदीक आते ही प्रवासियों ने वापस मैदान की ओर अपना रूख करना शुरु कर दिया है। शुक्रवार को दिल्ली, चंडीगढ़, गुड़गांव सहित अन्य मैदानी रूटों पर जाने वाले यात्रियों की सबसे अधिक संख्या दिखाई दी। सुबह से ही बस स्टेशन में यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही थी। पहाड़ से कोटद्वार पहुंच रही जीएमओयू व मैक्स वाहन भी यात्रियों से पूरी तरह भरे हुए थे। कोटद्वार स्टेशन में उतरते ही मैदानी रूट पर जाने वाली बस में सीट के लिए मारामारी मची हुई थी। कई यात्री बस की खिड़कियों से सामान डालकर सीट घेरने के प्रसार में जुटे हुए थे। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी परिवार के साथ सफर करने वाले लोगों को हो रही थी। हालांकि, परिवहन निगम की ओर से यात्रियों की संख्या से हिसाब से रूटों पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया जा रहा था।

नदी में मलबे का ढेर लगने से बाढ़ का खतरा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत बहने वाली खोह नदी पर मलवे का ढेर लगने से बाढ का खतरा बना हुआ है। वर्षाकाल में नदी के ऊफान पर होने से नदी का रूख आबादी की तरफ भी मुड़ सकता है, जिससे भारी तबाही की आशंका है। जिसको लेकर पार्षद अनिल रावत ने जिलाधिकारी से उक्त मलवे को हटवाने के लिए संबधित विभाग को निर्देशित करने की मांग की है। पार्षद अनिल रावत ने कहा कि गूलर के पेड़ के समीप खोह नदी पर बने पुल की सुरक्षा को लेकर लोकनिर्माण विभाग ने सुरक्षा दीवार बनाई, जिससे बड़ी मात्रा में नदी से मलवा हटाकर एक ढेर बना दिया। मलवे के ढेर से वर्षाकाल में नदी उफान पर रहती है, जिससे पानी का बहाव आबादी क्षेत्र में मुड़ सकता है, जिससे भूकटाव व आबादी क्षेत्र में नुकसान की संभावना है। उन्होंने नदी में लगे मलवे को ढेर का तत्काल प्रभाव से हटवाने के विभाग को निर्देशित करने की मांग की है।

कांवड़ की तैयारी को लेकर गंभीरता दिखाएं अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः नीलकंठ कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। डीएम पौड़ी ने कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। डीएम स्वाति भदौरिया ने कहा कि यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं लिहाज इस दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए 5 जुलाई तक सभी कामों को पूरा कर लिया जाए। डीएम ने लोनिवि व जिला पंचायत को कांवड़ यात्रियों के लिए पैदल मार्गों की मरम्मत, वैकल्पिक रास्तों की पहचान और मुख्य सड़कों पर समय से पैचवर्क कराने के निर्देश दिए । यात्रा मार्गों पर सफाई अभियान चलाने, सभी शौचालयों की नियमित सफाई, पेयजल की उपलब्धता, पानी के टैंकर, अस्थायी नल कनेक्शन के साथ ही डीएम ने खराब हैंडपंपों को भी ठीक करने को कहा। यूपीसीएल को मेला क्षेत्र में वोल्टेज की समस्या को ठीक करने के निर्देश दिए गए। यात्रा मार्ग पर एम्बुलेंस, आवश्यक दवाएं, चिकित्सकीय उपकरण व स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती समय पर कर दी जाए। एसडीआरएफ, पीआरडी, होमगार्ड, सैटेलाइट फोन, लाउडस्पीकर, नेटवर्क और बैरिकेडिंग से जुड़े सभी कामों को लेकर पहले से योजना बनाते हुए कदम उठाने के लिए कहा । डीएम ने रात्रिकालीन यात्रा को ध्यान में रखते हुए जिला पंचायत, उरेडा व वन विभाग को स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। पुलिस को घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मियों, जल पुलिस की तैनाती और जिला पंचायत को कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। डीएम ने मंदिर मार्गों में लगने वाले भंडारों की स्वच्छता सुनिश्चित करते हुए कहा कि यदि इनमें मानकों का पालन नहीं होता तो इन्हें निरस्त किया जाए।

पौधारोपण अभियान चलाया, संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः पौड़ी जिले में मानसून को लेकर पौधरोपण अभियान वृहद स्तर पर शुरू हो गया है। हरेला पर्व और मतदाता जागरूकता अभियान के तहत पौड़ी के डोभ श्रीकोट और मल्ली गांव में बेडू के करीब 300 पौधों के रोपण से अभियान की शुरूआत की गई है। इन पौधों की सुरक्षा के लिए बायो फेंसिंग भी होगी। पौड़ी के सीडीओ गिरीश गुणवंत ने कहा कि बेडू को उगाने में यदि सफलता मिलती है तो इससे किसानों की भी आर्थिकी मजबूत होगी। सीडीओ ने कहा कि हमें ऐसे पौधों का चयन करना चाहिए जो हमारी आर्थिकी को भी बढ़ाने में सहयोग करे। इससे किसानों की मेहनत भी जाया नहीं होगी।साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बेहतर काम हो सकेगा। यहां मौजूद ग्रामीणों से सीडीओ ने कहा कि अपने आसपास विभिन्न प्रजाति के पौधों का लगाएं। बेडू से जेम, चटनी सहित कई उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं जिनकी बाजार में मांग है। बेडू के पौधों की नियमित देखभाल की जाए ताकि वे अच्छी तरह विकसित हों और भविष्य में आमदनी का जरिया बन सकें। सीडीओ ने बताया कि अन्य क्षेत्रों से भी बेडू की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में इसकी खेती और संरक्षण से रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं। बेडू के प्रोडक्ट तैयार करने के लिए ट्रेनिंग भी जाएगी। सीडीओ ने कहा कि इसके अलावा अन्य क्षेत्रों में भी काम करें, जिससे आमदनी के जरिए बेहतर हो सके।

कहा कि बिना सहभागिता से यह अभियान सफल नहीं हो सकता है। इस कार्यक्रम के दौरान मतदाता जागरुकता को लेकर भी लोगों को प्रेरित किया गया। आयोजकों ने कहा कि पर्यावरण के साथ–साथ लोकतंत्र को भी मजबूत करना हमरी जिम्मेदारी है। इस दौरान ग्रामीणों ने घेरबाड़ की मांग रखी।

पौड़ी अस्पताल में एंडीस्कोपी जांच शुरु

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी: जिला अस्पताल पौड़ी में मरीजों के लिए एक और अत्याधुनिक सुविधा शुरू हो गई। अस्पताल के ईएनटी विभाग में अब वीडियो एंडोस्कोपी जांच की से मरीजों को देखा जा रहा है। इस तकनीक की मदद से कान, नाक और गले की बीमारियों वाले मरीजों को देखने में काफी आसानी हो रही है और स्क्रीन पर बीमारी को लेकर साफ देखा जा सकता है। जिला अस्पताल के ईनएनटी सर्जन डॉ. सोनाली जोशी और अश्वनी चौहान ने बताया कि इस उपकरण की मदद से कान के पर्दे की स्थिति, संक्रमण, फंगल इंफेक्शन, नाक में रुकावट या मांस का उभार (पोलिप्स), गले की सूजन और वोकल कॉर्ड्स में गड़बड़ी की सटीक जांच करने में मदद मिलत जाती है।साथ ही, कान और नाक की सफाई भी दूरबीन की निगरानी से की जा सकती है। जिससे यह प्रक्रिया अधिक सुरक्षित और प्रभावी हो गई है। विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि यह सुविधा मेडिकल कॉलेजों या निजी अस्पतालों में ही उपलब्ध है । लेकिन अब जिला अस्पताल पौड़ी में भी इस तकनीकी की मदद ली जा रही है और इससे मरीजों को काफी राहत मिलेगी। खासकर गले की आवाज में बदलाव, बोलने में कठिनाई या किसी गांठ जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों की शुरुआत में ही पहचान हो सकेगी।

देश की सेना को मजबूत कर रही अग्निवीर योजना: उप सेना प्रमुख

कोटद्वार पहुंचे उप सेना प्रमुख ने शहीदों के स्वजनों को किया सम्मानित

कोटद्वारः शुक्रवार को उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि कोटद्वार पहुंचे। जहां उन्होंने शहीदों के स्वजनों के साथ ही युद्ध में योगदान देने वाले पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। कहा कि देश की रक्षा में दिए गए वीर सैनिक के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान उन्होंने कोटद्वार में एक और सीएचसी कैंटीन खोलने की भी बात कही।सुबह करीब नौ बजे उप सेना प्रमुख विक्टोरिया क्रास गब्बर सिंह कैंप में पहुंचे। जहां गढ़वाल राइफल रेजीमेंट लैंसडौन के कमांडेंट विनोद नेगी व अन्य सैना अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके उपरांत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप सेना प्रमुख ने कहा कि अग्निवीर योजना देश हित में एक बेहतर निर्णय है। इस योजना से सेना मजबूत हो रही है। कहा कि सेना में भर्ती होने की तैयारी करने वाले प्रत्येक युवक को अपनी योग्यता पर भरोसा होना चाहिए। उन्होंने पूर्व सैनिकों से भी देश हित में आगे आने की अपील की। कहा कि देश हित की भावना सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद भी कायम रहनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उप सेना प्रमुख ने विभिन्न युद्ध में बलिदानी हुए वीर सैनिकों के स्वजनों के साथ ही पूर्व सैनिकों को भी सम्मानित किया। कहा कि भारतीय सेना सदैव बलिदानियों के परिवार के साथ खड़ी है। इस दौरान पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों ने उप सेना प्रमुख का स्वागत किया।

कोटद्वार गब्बर सिंह कैंप में वीरांगनाओं व पूर्व सैनिकों के साथ मौजूद उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि

नवनियुक्त नगर आयुक्त ने किया शहर का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोटद्वार नगर निगम के नव नियुक्त नगर आयुक्त पीएल शाह ने शुक्रवार को नगर क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के साथ ही जलभराव रोकने के लिए नहरों की सफाई करने के निर्देश दिए।

शुक्रवार को नगर आयुक्त पीएल शाह ने पीएल शाह ने ग्रास्टनगंज, लकड़ी पड़ाव व अपरकालाबड़ क्षेत्र में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जनता से भी सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सहयोग की अपील की। कहा कि वर्तमान में कई जगहों पर नालियां गंदगी से अटी पड़ी है। कई जगहों पर जलभराव भी हो रहा है, जिसके लिए नगर निगम ने पंपिंग सेटों की व्यवस्था कर दी है, जिससे जलभराव की स्थिति में पंपिग सेटों का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होने कहा कि निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई जलभराव के स्थानों को चिंहित किया गया है। कहा कि जिसके लिए निकासी की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को वर्षाकाल शुरू होने से पहले ही नगर निगम की सफाई व्यवस्था को चुस्त दुरस्त करने के निर्देश दिए। इस मौके पर सहायक नगर आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा, अजय अष्टवाल, सफाई निरीक्षक सुनील कुमार सहित नगर निगम के कर्मचारी मौजूद रहे।

नगर निगम कोटद्वार में वार्डों में जाकर नालियों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते नवनियुक्त नगर आयुक्त पीएल शाह

देवी रोड में अतिक्रमण के खिलाफ जारी रहा लोनिवि का अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः देवी रोड में सड़क किनारे नाली के ऊपर बने अतिक्रमण के खिलाफ लोकनिर्माण विभाग का अभियान जारी है। शुक्रवार को भी लोकनिर्माण विभाग ने जेसीबी मशीन से अतिक्रमण कर बनाई गई स्लैब को ध्वस्त किया।

मालूम हो कि, देवी रोड में पनियाली गदेरे से आगे नहर के ऊपर अतिक्रमण कर बनी स्लैब को ध्वस्त करने का अभियान चल रहा है। लोकनिर्माण विभाग का कहना है कि नहर के ऊपर व्यापारियों ने अतिक्रमण करते हुए स्लैब का निर्माण करवाया दिया है। नहर को अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए पिछले तीन दिन से लगातार अभियान चलाया जा है। पिछले दो दिन में लोकनिर्माण विभाग ने प्राइमरी विद्यालय सिताबपुर तक अतिक्रमण को ध्वस्त किया था। शुक्रवार को विद्यालय से आगे अतिक्रमण की कार्रवाई की गई। लेकिन, उससे पहले ही व्यापारी श्रमिकों के माध्यम से अपने प्रतिष्ठानों के बाहर स्लैब को तुड़वाने में लगे हुए थे। कई व्यापारियों ने लोकनिर्माण विभाग से अतिक्रमण को ध्वस्त करने के लिए मोहलत देने की मांग उठाई। लेकिन, लोनिवि ने उनकी एक न सुनी। व्यापारियों ने बताया कि वर्षाकाल में अव्यवस्थाओं के कारण समस्या हो सकती है। स्लैब ध्वस्त होने से प्रतिष्ठानों के बाहर जलभराव हो सकता है।

कोटद्वार के देवी रोड में अतिक्रमण ध्वस्त करती लोनिवि की जेसीबी मशीन

संस्था ने बोर्ड परीक्षा के अव्वल विद्यार्थियों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः हाईस्कूल व इंटर 12वीं की परीक्षा में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उत्तराखंड क्षत्रिय उत्थान संस्था की ओर से सम्मानित किया गया। इस दौरान संस्था ने शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने का संकल्प लिया।भाबर क्षेत्र के अंतर्गत एक बारातघर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र रावत ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके उपरांत छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। तत्पश्चात संस्था की तरफ से प्रखंड दुगड्डा के विभिन्न विद्यालयों के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में सवोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को नगर धनराशि, प्रशस्ति पत्र अंगवस्त्र व स्मारिका देकर सम्मानित किया गया। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने छात्र-छात्राओं को देश का कर्णधार बताया, कहा कि होनहार बच्चे ही आगे चलकर देश के सवोच्च पदों पर आसीन होते है। कहा कि अभी से बच्चों को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है, ताकि वे आगे चलकर अपनी कक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन कर सकें। इस मौके पर गिरिराज सिंह रावत, रेणुका गुसांई, उम्मेद सिंह भंडारी, राजेंद्र बिष्ट, भारत सिंह नेगी, केएस चौहान, गोपाल रावत मौजूद रहे।

कोटद्वार में आयोजित समारोह में बोर्ड परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित करते अतिथिगण

अलविदा पौड़ी आपका प्यार हमेशा साथ रहेगा

पौड़ी। करीब पौने तीन साल तक पौड़ी के जिलाधिकारी रहे डॉ आशीष चौहान ने अपने तबादले के बाद पौड़ी वासियों को अपने अलग ही अंदाज में विदाई संदेश लिखा। सोशल मीडिया पर लिखे उनका यह संदेश गढ़वाली भाषा में है और अब खूब वायरल भी हो रहा है। उन्होंने इन्हीं शब्दों को अंग्रेजी में भी लिखा है। अंत में एक शायर से पौड़ी की जनता को बड़ा ही मार्मिक और भावुक संदेश भी दिया है। पौड़ी जिले के डीएम रहते हुए नयार उत्सव, बेटिल फेस्टिवल, गंगा म्यूजियम, बर्ड फेस्टिवल ,गंगा पथ पैदल यात्रा और जनता के साथ सीधा संवाद जैसी उनकी कई उपलब्धियां रही। जनता से सीधे संवाद के तौर पर वह प्रदेश के पहले डीएम भी रहे। बीते शुक्रवार को उन्होंने डीएम का कार्यभार छोड़ा था। अब सोशल मीडिया पर उनका भावनात्मक विदाई संदेश वायरल हो रहा है। जिसमें उन्होंने पौड़ी को अलविदा कहते हुए अपने कार्यकाल के अनुभवों के साथ उस आत्मीय जुड़ाव को भी सहेज कर रखा, जो उन्हें इस जिले से मिला। गढ़वाली में लिखे संदेश में डॉ चौहान ने कहा है कि मेरे पौड़ी के भाई–बहनों को नमस्कार।

मैंने यहां जो भी समय बिताया, उसे मै हमेशा सहेजकर रखूंगा। मेरा तबादला हो गया है, मैं तो चला गया, लेकिन तुम्हारा प्यार और स्नेह हमेशा मेरे साथ रहेगा। बस, यही उम्मीद है। उन्होंने विदाई को अंग्रेज़ी में भी साझा करते हुए इस तरह से लिखा कि अलविदा पौड़ी, मैं अब नई जिम्मेदारियों की ओर बढ़ रहा हूं। तुम मेरे लिए सिर्फ एक जिला नहीं, एक घर थे और इस दिल में तुम्हारी एक जगह हमेशा बनी रहेगी।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किय जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	85-DRM-MB-25-26 Date-26.06.2025	86-DRM-MB-25-26 Date-26.06.2025
कार्य का नाम	Zone - HPU-1 :All residential and service buildings in between GMS-GZB (Excluding GZB) including wood, steel and road work under ADEN/HPU.	Zone - HPU-2 . All residential and service buildings in between KRJ-MTC (Excluding MTC) including wood, steel and road work under ADEN/HPU.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	22.07.2025	22.07.2025
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत	1,34,92,477.09	59,94,986.46
धरोहर राशि	2,17,500.00	1,19,900.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह	12 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	08.07.2025	08.07.2025

टेन्डर नं. Sr.DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक– 27.06.2025 1948/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रुद्रप्रयाग बस हादसे में लापता एक यात्री का शव बरामद

रुद्रप्रयाग। ऋषिकेश–बदरीनाथ हाईवे पर घोलतीर में हुई बस दुर्घटना में लापता यात्रियों की खोजबीन लगातार जारी है। शुक्रवार को पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में पुलिस, एसडीआरएफ, फायर सर्विस, डीडीआरएएफ, जल पुलिस के जवानों ने अलकनंदा नदी किनारे सघन खोजबीन अभियान चलाया। सर्च एंड रेस्क्यू के दौरान एक यात्री का शव बरामद हुआ है। जबकि अभी भी 8 शवों की तलाश की जा रही है। शुक्रवार सुबह 7 बजे से ही रेस्क्यू अभियान शुरू हो गया। 9 लापता लोगों की खोजबीन के लिए सभी जवानों के सुयंक्त सहयोग से घटनास्थल घोलतीर के साथ ही जनपद रुद्रप्रयाग के साथ ही श्रीनगर तक अनेक जगहों पर सर्चिंग की गई। अलग–अलग संभावित स्थानों पर डीप डाइविंग और राफ्ट की मदद से सर्च अभियान चलाया जा रहा है। खोजबीन के दौरान रेस्क्यू टीमों को रतूड़ा क्षेत्र में नदी किनारे एक शव बरामद हुआ है। इस शव को जवानों द्वारा सड़क तक लाया गया जहां से शव वाहन की मदद से जिला चिकित्सालय भिजवाया गया। पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे ने बताया कि शुक्रवार को रेस्क्यू के दौरान मिले शव की पहचान संजय सोनी, निवासी उदयपुर, शास्त्री सर्किल राजस्थान उम्र उम्र 55 वर्ष के रूप में हुई है। शव का पंचायतनामा व पोस्टमार्टम की कार्यवाही के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। एसपी ने बताया कि अब 8 लापता शवों की लगातार खोजबीन की जा रही है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनएस रजवार ने बताया कि सभी टीमों की मदद से अलकनंदा नदी के सभी संभावित किनारों पर खोजबीन की गई है। अभियान लगातार जारी रहेगा। निचले इलाकों को बीते दिन ही सूचना दे दी गई थी कि घोलतीर में बस दुर्घटना हुई है जिसमें लापता लोगों के पानी में बहकर नीचे आने की संभावना हो सकती है। इसलिए निगरानी रखें।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरि. मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	(SNT-TELE-YNRKRK-MB-25-26) वाईएनआरके और आरके स्टेशन पर आईपीआईएस (सीजीएस, मेक: एवीडीएस) की एक बार मरम्मत	497000.00	9900.00	निल	08.07.2025 15:00 बजे
2	(SNT-TELE-BAGSCANR-MB25-26) बरेली और हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर बैगेज स्कैनर (निर्माता: वेहंत या ओईएम) की एक बार मरम्मत	1338825.45	26800.00	निल	08.07.2025 15:00 बजे

नोट: निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है

संख्या SNT-TELE-YNRKRK&BAGSCANR-MB-25-26 दिनांक: 24.06.2025 1942/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

फुटबाल के लिए स्पोर्ट्स एकेडमी में आयुष्मान के चयन पर जताई खुशी

नई टिहरी। न्यू टिहरी इंटरनेशनल स्कूल पैन्यूला नई टिहरी के होनहार खिलाड़ी आयुष्मान भट्ट पुत्र प्रवीन भट्ट का सत्र 2025–26 के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स एकेडमी देहरादून में कक्षा 6 के लिए फुटबॉल वर्ग में चयन हुआ है। उनके चयन पर स्कूल, परिजनों सहित स्थानीय लोगों ने खुशी जताई है। बता दें कि आयुष्मान ने फुटबाल की कोचिंग यहां न्यू दरबार फुटबाल स्पोर्ट्स एकेडमी नई टिहरी से एनआईएस कोच अतुल राणा के सानिध्य में प्राप्त की। आयुष्मान के पिता न्यू टिहरी इंटरनेशनल स्कूल नई टिहरी के प्रधानाचार्य हैं। उनके चयन पर जिला फुटबाल संघ के सचिव देवेंद्र राणा, हनुमंत महर, खेल प्रशिक्षक चक्रधर भट्री, कमलनयन रतूड़ी, अरविंद राणा, एनटीआईएस स्कूल की निदेशक शालिनी जौली, गौतम नेगी आदि ने खुशी जताते हुए अन्य खिलाड़ियो को भी उनके प्रेरणा लेने का आह्वान किया है।

एसएसबी गुरिल्लाओं ने सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई

श्रीनगर गढ़वाल। कीर्तिनगर स्थित भोलू भरदारी पार्क में शुक्रवार को एसएसबी प्रशिक्षित गुरिल्ला संगठन की एक आपात बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शामिल हुए कीर्तिनगर,हिंडोलाखाल व श्रीनगर क्षेत्र के गुरिल्लाओं ने अपनी तीन सूत्रीय नियुक्ति, पेंशन और ग्रेच्युटी की मांग को लेकर सरकार के प्रति नाराज़गी जताई। गुरिल्लाओं का आरोप है कि सरकार बीते 19 वर्षों से केवल आश्वासन देती आई है, जबकि ज़मीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ब्लाक अध्यक्ष कीर्तिनगर हिम्मत सिंह मेहर ने कहा कि वे शांतिपूर्ण और देशभक्ति भाव से वर्षों से संघर्षरत हैं, लेकिन अब सब्र की सीमा टूट रही है। मीडिया प्रभारी अनिल प्रसाद भट्ट ने कहा कि नैनीताल हाईकोर्ट भी उत्तराखंड के एसएसबी गुरिल्लाओं के पक्ष में निर्णय दे चुका है, जिसमें मणिपुर की तर्ज पर उन्हें नियुक्ति, पेंशन और ग्रेच्युटी देने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो सितंबर माह में देहरादून में विशाल रैली, सीएम आवास कूच, सचिवालय घेराव और अनिश्चितकालीन धरना किया जाएगा। गुरिल्लाओं ने चेताया कि आंदोलन के दौरान अगर कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती है, तो उसकी पूरी जम्मिदारी सरकार की होगी।मौके पर बृजमोहन गुसाईं, जवाहर सिंह बिष्ट, दयाल सिंह सजवाण, लक्ष्मी भट्ट, सुंदर मणी पोखरियाल, राजेंद्र भंडारी, रघुवीर सिंह, मोहन लाल उप्रेती, कन्हैया, जसवंती देवी, पुष्पा देवी आदि मौजूद रहे।

विभिन्न सामाजिक संगठनों ने दी कुंजबिहारी को श्रद्धांजलि

श्रीनगर गढ़वाल। राज्य आंदोलनकारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष पौड़ी कुंज बिहारी नेगी के निधन पर शुक्रवार को डालमिया धर्मशाला में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीनगर नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णानंद मैठाणी ने कहा कि कुंजबिहारी नेगी ने सामाजिक कार्यों में ही नहीं,बल्कि शैक्षणिक और सांस्कृतिक आंदोलनों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गढ़वाल विश्वविद्यालय की स्थापना को एक जन आकांक्षा का प्रतीक मानते हुए वक्ताओं ने बताया कि कुंजबिहारी नेगी ने स्वामी मनमंथन के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक आंदोलन का नेतृत्व किया,जिससे गढ़वाल क्षेत्र की पहचान और शैक्षिक प्रगति को एक नई दिशा मिली। इस अवसर पर गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव प्रो.पीएस राणा एवं पर्वतीय विकास शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ.अरविंद दरमोड़ा ने गढ़वाल विश्वविद्यालय के किसी सभागार का नाम कुंज बिहारी नेगी के नाम पर किए जाने की मांग की। बताया कि इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति से मिलकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। कार्यक्रम में प्रगतिशील जन मंच के संयोजक अनिल स्वामी, वीरेंद्र सिंह नेगी, सूरज घिल्डियाल, भगवती प्रसाद पुरी, हीरालाल जैन, डॉ.अरुण ने स्व. कुंजबिहारी नेगी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

गाय के बछड़े का किया सफल रेस्क्यू

नई टिहरी। भागीरथी किनारे फंसे गाय के बछड़े का रेस्क्यू कर उसकी जान बचा ली गयी। बछड़ा यहां चट्टान से नदी किनारे गिर गया था। नदी में बढ़ रहे जल स्तर को देखते यहां युवाओं व पुलिस ने बछड़े को दो घण्टे की मशक्कत के बाद सकुशल निकाल लिया। शुक्रवार को नगर वासियों को भागीरथी किनारे एक बछड़ा फंसा हुआ दिखा। नदी में लगातार बढ़ते पानी से उसके बह जाने की आशंका बन गयी थी।

ग्रामीणों ने विधायक से की सड़क की डामरीकरण करने की मांग

नई टिहरी। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने चंबा ब्लॉक के ग्राम पंचायत बुडोगी के चवाल खेत पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कई योजनाएं बना रही हैं। ग्रामीणों ने विधायक से गांव की सड़क की मरम्मत और डामरीकरण की मांग की। जिस पर विधायक ने लोनिवि चंबा के ईई जगदीश सिंह खाती को कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने चावलखेत के ढुंगाचली में खेल का मैदान बनाने की मांग रखी। जिस पर विधायक ने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने के लिए इस तरह के कार्य जरूरी हैं। कहा कि युवा कल्याण विभाग से यहां पर खेल मैदान बनाया जाएगा। उन्होंने ग्राम पंचायत से इसका सम्यक प्रस्ताव भेजने की आग्रह किया। कार्यक्रम में मौजूद नगर पालिकाध्यक्ष टिहरी मोहन सिंह रावत जी ने चवालखेत में सड़क के किनारे दो व्यू प्वाइंट बनाने की सहमति दी। कहा कि पालिका और ग्राम पंचायत संयुक्त रूप से यह कार्य करेंगे। साथ ही पार्क में जिम उपकरण लगाए जाएंगे। इस मौके पर पूर्व बीडीसी सदस्य अजबीर सिंह चौहान,रेनू चौहान,संगीता चौहान,रविंद्र चौहान,जसपाल चौहान,मनोहर चौहान,हिम्मत धनोला,बिजेंद्र सिंह,पंचम चौहान,युवराज चौहान आदि मौजूद थे।

सरकारी भूमि में अतिक्रमण न हो इसके लिए मजबूत मैकेनिज्म बनाया जाए : मुख्यमंत्री

— गंगा सहित अन्य नदियों किनारे अतिक्रमण को प्राथमिकता से हटाएं

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ने कहा कि सरकारी भूमि में अतिक्रमण न हो इसके लिए मजबूत मैकेनिज्म बनाया जाय। सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण रोकने और अवैध बिक्री को रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए।

मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने सरकारी भूमि से अवैध अतिक्रमण को हटाने की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे हटाए जाने की कार्ययोजना बनाए जाने के लिए निर्देश जारी किए जा चुके हैं। इसके अनुपालन के लिए जनपद स्तर पर प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जाय। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर सिंचाई, लोक निर्माण, वन विभाग, राजस्व विभाग की टीम बनाकर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाए जाय। उन्होंने राज्य के मैदानी क्षेत्रों में अतिक्रमण के मामलों को देखने के लिए शासन स्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने के निर्देश प्रमुख सचिव को दिए। उन्होंने हरिद्वार में गंगा किनारे, रुद्रपुर में कल्याणी नदी किनारे और नैनीताल जिले में कोसी आदि नदियों के किनारों पर भी अवैध अतिक्रमण को रोकने के लिए सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सरकारी भूमि को कब्जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने और कूट रचना कर जमीनों के फर्जी दस्तावेज बनाए जाने के मामलों पर भी प्रभावी रोक लगाने के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समाज को नशा मुक्त बनाने का लिया संकल्प

नई टिहरी। नशा उन्मूलन को लेकर ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति रानीचौरी के जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में गोष्ठी आयोजित की। जिसमें बढ़ती नशाखोरी की समस्या के प्रति जागरूकता लाने और समाज को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से संस्था के अध्यक्ष सुशील बहुगुणा के द्वारा शराब नही संस्कार मुहिम चलाई जा रही है जिसके तहत स्कूलों कॉलेज में बच्चों से नशा मुक्ति हेतू शपथ ली जाती है। इसके तहत जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, जिला बाल कल्याण समिति, जिला किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों, बिशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण के कर्मचारियों के द्वारा नशा न करने शपथ ली। उपस्थित कर्मचारियों ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं कभी नशा नहीं करेंगे, न ही किसी को नशा करने के लिए प्रेरित करेंगे। समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

इस मौके पर दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के जिला समन्वयक जगदीश बडोनी, रंजीता थपलियाल, जीवानंद जोशी, विजय डोभाल, रविश चमोली, अमीर जंहा, अरूरफी रावत आदि मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि नशा न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सभी ने मिलकर समाज में नशा उन्मूलन के लिए जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। नशा न करने की शपथ लेने के बाद हनुमान चालीसा भी वितरित की गई।

त्रिस्तरीय कैडर का किया विरोध

नई टिहरी, उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ टिहरी की बैठक शिक्षक भवन में आयोजित हुई। जिसमें त्रिस्तरीय कैडर का विरोध शिक्षकों ने दर्ज किया। इस बाबत उत्तराखंड सरकार के त्रिस्तरीय व्यवस्था को लेकर प्रस्ताव शासन को भेजकर बताया कि यह न्याय संगत नहीं है। इसमें प्राथमिक सहायक एवं प्राथमिक प्रधानाध्यापक के पदोन्नति के रास्ते बंद कर दिए गए हैं। इस ड्राफ्ट में प्राथमिक सहायक एवं प्रधानाध्यापकों का पदोन्नति का स्थान क्या होगा। किसी प्रकार इस ड्राफ्ट में स्पष्ट नहीं किया गया है एवं संगठन वर्तमान में कलस्टर विद्यालयों के संबंध में उस शासनादेश का भी विरोध करता है जो कि पहाड़ी राज्य होने के नाते उत्तराखंड के कई विकासखंड जो अति दुर्गम क्षेत्र होने के बावजूद यह व्यवस्था व्यावहारिक नहीं है।

पोस्टमार्टम के बाद चार शवों को परिजन ले गए राजगढ़ और उदयपुर

रुद्रप्रयाग। ऋषिकेश–बदरीनाथ हाईवे पर घोलतीर में हुई बस दुर्घटना में चार मृतकों के शवों का शुक्रवार को जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम किया गया। परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा भरने के बाद शवों का पोस्टमार्टम किया गया, जिसके बाद गमगीन माहौल में परिजन रोते–बिलखते शवों को अंतिम संस्कार के लिए ले गए।

तीन शव बीते दिन ही बरामद कर लिए गए थे जबकि एक शव शुक्रवार को बरामद किया गया। जिला चिकित्सालय में पुलिस और परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम किया गया। सीएमओ डॉ राम प्रकाश ने बताया कि सभी चार शवों का शुक्रवार को जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम कर दिया गया है। परिजन शुक्रवार सुबह रुद्रप्रयाग पहुंच गए थे जिनकी मौजूदगी में पंचनामा भरा गया। इसके बाद शवों का पीएम किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि परिजनों की मौजूदगी में दो शव राजगढ़ और दो शव उदयपुर भेजे गए हैं।

शराब पीकर वाहन चलाने पर चालक गिरफ्तार, वाहन सीज

श्रीनगर गढ़वाल। गोविंदघाट से ऋषिकेश लौट रहे श्रद्धालुओं ने सतर्क रहते हुए अपनी जान बचाई है। शराब पीकर वाहन चला रहे ड्राइवर के खिलाफ यात्रियों ने शिकायत पुलिस से की। श्रीनगर पुलिस की तत्परता ने एक संभावित हादसे को टाल दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 यात्रियों का एक समूह हेमकुंड साहिब की यात्रा पूर्ण कर गोविन्दघाट से टेंपो ट्रैवलर वाहन में ऋषिकेश की ओर लौट रहा था। रास्ते में भोजन के लिए रुकने पर यात्रियों को चालक की गतिविधियों पर संदेह हुआ कि उसने भोजन के साथ शराब का सेवन किया है। शुरुआत में इसे भ्रम माना गया, लेकिन जब वाहन आगे बढ़ा और श्रीनगर की ओर बढ़ने लगा, तो चालक की लापरवाही और असंतुलित ड्राइविंग से उसके नशे में होने की पुष्टि हो गई। ऐसे में श्रीनगर के पास पहुंचते ही यात्रियों ने 112 नंबर डायल कर पुलिस को पूरे घटनाक्रम की सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली श्रीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को रोक लिया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि चालक की मेडिकल जांच के बाद उसके नशे में होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद वाहन को बाजार चौकी, श्रीनगर लाया गया। बताया कि यात्रियों ने साफ कहा कि वे आगे की यात्रा चालक के साथ नही करेंगे। कहा कि पुलिस ने यात्रियों को वैकल्पिक वाहन की व्यवस्था कर उन्हें श्रीनगर से ऋषिकेश के लिए रवाना किया। साथ ही श्रीनगर से ऋषिकेश तक का किराया भी वापस यात्रियों को लौटाया गया। बताया कि पुलिस ने चालक को शराब के नशे में वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है ।

राजजात मानचित्र पर कुरुड़ व देवराला को अंकित करने को लेकर महाराज से मिला प्रतिनिधिमंडल

देहरादून। मां नंदा देवी राजराजेश्वरी सिद्ध पीठ कुरुड़ मंदिर विकासखंड नंदानगर बड़ी नंदाजात–2026 आयोजन समिति का एक प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोकनिर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण एवं जलागम, मंत्री सतपाल महाराज से उनके निजी आवास पर मिला।

मां नंदा देवी राजराजेश्वरी सिद्ध पीठ कुरुड़ मंदिर विकासखंड नंदानगर बड़ी नंदाजात–2026 आयोजन समिति का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को अपनी समस्याओं को लेकर प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोकनिर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण एवं जलागम, मंत्री सतपाल महाराज से उनके सर्कुलर रोड स्थित निजी आवास पर मिला। प्रतिनिधि मंडल ने उन्हें बताया कि शासन द्वारा नंदादेवी राजजात यात्रा–2026 का आयोजन सुनिश्चित किया गया है जिसमें राजा के प्रतिनिधि कांस्वा के कुंवर लोग इस परंपरा के तहत अपनी कुल देवी नंदादेवी सिद्धपीठ कुरुड़ की डोली में पूजा और मनौती भेंट करने के लिए नौटी से चलकर नंदकेसरी में अपनी पूजा और मनौती भेंट करते हैं और कुरुड़ के गौड़, ब्राह्मण बधाण के पुजारियों के हाथों से पूजा अर्चना होती है जो की एक पौराणिक परंपरा है। प्रतिवर्ष नंदादेवी राजराजेश्वरी सिद्ध पीठ कुरुड़ से छोटी जात (लोकजात) व 12 वर्ष बाद बड़ी जात (राजजात) का आयोजन होता है।

प्रतिनिधि मंडल ने धर्मस्व मंत्री महाराज को अवगत करवाया कि हिमालयी महाकुंभ की तर्ज पर आयोजित इस राजजात में राजा की कुलदेवी सिद्धपीठ कुरुड़ व देवराला को मुख्य पड़ाव व राजजात के मानचित्र पर अंकित नहीं किया गया है। इसलिए इन पड़ावों को भी राजजात यात्रा मानचित्र में शामिल किया जाये।

कांवड़ मेले की तैयारियां एक हफ्ते में पूरी हो: डीएम

चमोली। नीलकंठ कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। डीएम पौड़ी ने कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। डीएम स्वाति भदौरिया ने कहा कि यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं लिहाज इस दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए 5 जुलाई तक सभी कामों को पूरा कर लिया जाए। डीएम ने लोनिवि व जिला पंचायत को कांवड़ यात्रियों के लिए पैदल मार्गों की मरम्मत, वैकल्पिक रास्तों की पहचान और मुख्य सड़कों पर समय से पैचवर्क कराने के निर्देश दिए । यात्रा मार्गों पर सफाई अभियान चलाने, सभी शौचालयों की नियमित सफाई, पेयजल की उपलब्धता, पानी के टैंकर, अस्थायी नल कनेक्शन के साथ ही डीएम ने खराब हैंडपंपों को भी ठीक करने को कहा। यूपीसीएल को मेला क्षेत्र में वोल्टेज की समस्या को ठीक करने के निर्देश दिए गए।

सीएम धामी पहुंचे एम्स ऋषिकेश, रुद्रप्रयाग बस दुर्घटना में घायल यात्रियों का हाल–चाल जाना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को एम्स, ऋषिकेश पहुंचकर जनपद रुद्रप्रयाग में हुई बस दुर्घटना में घायल यात्रियों का हालचाल जाना और चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि सभी घायलों का समुचित और त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने घायलों एवं उनके परिजनों को राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद का भी भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है।

देहरादून में भारतीय संरक्षण सम्मेलन 2025 का समापन

देहरादून। भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून में कउउडठ 2025 के अंतिम दिन भारत के वन्यजीव शोधकर्ताओं, संरक्षण वैज्ञानिकों, वन अधिकारियों और नीति निर्माताओं की सबसे बड़ी सभा एक ही छत के नीचे हुई। देश भर और उसके बाहर से 500 से अधिक प्रतिभागियों के साथ, 3 दिवसीय कार्यक्रम – पूर्व–सम्मेलन कार्यशालाओं के एक पूरे दिन से पहले – भारत में सहयोगात्मक और डेटा–संचालित संरक्षण कार्रवाई के लिए बढ़ती गति को दर्शाता है। समापन दिवस की शुरुआत डॉ. महेश शंकरन (ठउइर) के संबोधन से हुई, जिन्होंने ह्यसवाना पारिस्थितिकी तंत्र में जलवायु–जैव विविधता संबंधोंह्ल पर एक आकर्षक गहन चर्चा की। उनके संबोधन ने प्रतिभागियों को विभिन्न स्तरों पर पारिस्थितिक अनुसंधान करने और स्थानीय पैटर्न और वैश्विक पर्यावरणीय परिवर्तन के बीच संबंध बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद के तकनीकी सत्रों में आनुवंशिकी, परिदृश्य पारिस्थितिकी, संरक्षण संघर्ष और प्रजातियों की निगरानी पर मौखिक प्रस्तुतियों का एक समृद्ध मिश्रण शामिल था। दोपहर में एक पोस्टर प्रस्तुति दौर में देश भर में शोध परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया, जिसमें शहरी जैव विविधता, रोग पारिस्थितिकी और युवाओं के नेतृत्व वाली नागरिक विज्ञान पहल शामिल हैं।

पुल का मलबा देवप्रयाग में आपदा का बन सकता है कारण

नई टिहरी। ऋषिकेश–बदरीनाथ राजमार्ग पर देवप्रयाग बस अड्डे के समीप बन रहे पुल का मलबा शांति बाजार के लिए आपदा का कारण बनने के आसार हैं। इसको देखते हुये नगरपालिका अध्यक्ष ममता देवी ने यहां एनएच के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पालिकाध्यक्ष ने एनएच अधिकारियों को बरसात से पहले मलबे को पूरी तरह हटाने की सख्त हिदायत दी। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि शांता नदी के ऊपर बन रहे इस पुल के मलबे से 2021 में भारी तबाही हुई थी। शांता नदी के बढ़ने से यहां जमा मलबा फिर से इस तरह की आपदा ला सकता है। जिससे यहां दुकानों व भवनों को क्षति पहुंच सकती है। ऐसे में एनएच यहां से जल्दी ही मलबा हटाने का काम शुरू करे।

डीएम के निर्देशन में भिक्षावृत्ति और बाल मजदूरी पर एक्शन जारी

देहरादून। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशन में भिक्षावृत्ति और बाल मजदूरी में लिप्त बच्चों को रेस्क्यू करने के लिए लगातार अभियान जारी है। जिला प्रशासन की टीम ने पिछले दो दिनों में पेट्रोलिंग के दौरान पटेल नगर, राजा रोड, आईएसबीटी, तहसील चौक और डोईवाला से भिक्षावृत्ति में लिप्त 06 बच्चों को रेस्क्यू किया गया। इसमें 05 बालक और 01 बालिका शामिल है। प्रशासन की टीम अब तक 265 से अधिक बच्चों को भिक्षावृत्ति, कूड़ा बीनने और बाल मजदूरी से रेस्क्यू कर चुकी है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने शुरू से ही भिक्षावृत्ति और बाल मजदूरी पर रोक लगाने हेतु निरंतर सख्त निर्णय लिए है। जिसके तहत प्रमुख चौक चौराहों पर होमगार्ड की तैनाती और डेडिकेटेड वाहन के साथ सक्रिय सचल टीमें शहर में निरंतर पेट्रोलिंग कर रही है। जिलाधिकारी के निर्देशन में चाइल्ड हेल्पलाइन, बाल कल्याण समिति और प्रोबेशन टीम द्वारा भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को रेस्क्यू किया जा रहा है। रेस्क्यू किए गए बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाता है और फिर उन्हें आश्रय और शिक्षा प्रदान कर पुनर्वासित किया जाता है।

एससी एसटी एक्ट के अंतर्गत दर्ज मामलों का त्वरित करें निस्तारण

देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकास भवन में अनुसूचित जाति, जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम–1995 के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। बैठक में अधिनियम के अंतर्गत वर्ष 2021 से अभी तक पीड़ितों के प्राप्त प्रकरणों और उनको राहत व आर्थिक सहायता वितरण कायी की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का जल्द से जल्द निस्तारण करते हुए पीड़ितों को राहत प्रदान की जाए। सीडीओ ने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि विगत पांच वषो में अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत प्रत्येक प्रकरण की अद्यतन सूचना 15 दिनों के भीतर उपलब्ध करें। समाज कल्याण विभाग को रोस्टर निर्धारित करते हुए हर तीन माह में समिति की बैठक रखने के निर्देश दिए। ताकि लंबित प्रकरणों का त्वरित समाधान हो सके और पीड़ितों को समय पर न्याय और राहत मिल सके।

इस दौरान बताया गया कि अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत वर्ष 2021 से 2025 तक जनपद में मारपीट, गाली गलौज, जाति सूचक शब्द के 47 मामले, छेडछाड, लज्जा भंग के 07, बलात्कार के 08, हत्या का 01 सहित कुल 63 प्रकरण पंजीकृत हुए है, जिनमें से कुछ प्रकरणों का निस्तारण कर लिया गया है ।

केदारनाथ हाईवे मुनकटिया के पास चार घंटे रहा बाधित

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ हाईवे पर मुनकटिया में लगातार हो रही बारिश से हाईवे बाधित होने का क्रम लगातार जारी है। पहाड़ी से मलबा गिरने के कारण यहां सुबह के समय हाईवे बंद हो रहा है। शुक्रवार को भी सुबह 5 बजे से 9 बजे तक यहां शटल सेवा का संचालन नहीं हो पाया। पुलिस और एसडीआरएफ के जवानों ने यात्रियों को अपनी निगरानी में वैकल्पिक मार्ग से आवाजाही कराई। जनपद में हो रही लगातार बारिश के चलते सोनप्रयाग शटल पुल के समीप व मुनकटिया के पास स्लाइडिंग जोन में लगातार मलबा पत्थर गिरने का क्रम जारी है। जिससे यहां सुबह के समय अधिकांश बार हाईवे बंद हो रहा है। शुक्रवार को सुबह 5 बजे हाईवे बंद था जबकि एनएच की कार्यदायी संस्था ने मलबा हटाने का काम शुरू किया किंतु लगातार मलबा गिरने और बारिश से काम में व्यवधान पैदा हुआ। कुछ देर बारिश रुकी तो हाईवे के दोनों छोरों से जेसीबी द्वारा मलबा हटाना शुरू किया गया। जिससे सुबह 9 बजे शटल सेवा शुरू हो सकी। हालांकि पहाड़ी से पत्थर मलबा गिरने का लगातार भय बना है। शटल सेवा चालक भी जोखिमों के बीच आवाजाही कर रहे हैं। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही यात्रा करने का आग्रह करती रही। हालांकि पुलिस ने वैकल्पिक मार्ग से यात्रियों की आवाजाही कराई। जबकि गौरीकुंड से आने वाले यात्रियों को भी इसी पहाड़ी के मार्ग से सुरक्षित वापस लाया गया।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com